जैसा तुम सोचते हो, वैसे ही बन जाओगे। खुद को निर्बल मानोगे तो निर्बल और सबल मानोगे तो सबल ही बन जाओगे।
- स्वामी विवेकानंद

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 188/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 | संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल | ▪आर.एन.आई 22296/71 ▪डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, बुधवार 05 फरवरी 2025 भोपाल से प्रकाशित | dainiksandhyaprakash.in

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने त्रिवेणी संगम में लगाई आस्था की डुबकी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ 2025 के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई और मां गंगा की विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने गेरुआ वस्त्र धारण कर रुद्राक्ष की माला पहनी हुई थी, जो उनकी आध्यात्मिक आस्था को दर्शाता है।

संगम स्नान और पूजा-अर्चना- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संगम तट पर पहुंचकर मां गंगा को प्रणाम किया, आचमन किया और फिर मंत्रोच्चार के बीच संगम में डुबकी लगाई। इसके बाद उन्होंने मां गंगा की पूजा की और त्रिवेणी संगम की परिक्रमा की। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे, हालांकि प्रधानमंत्री ने संगम स्नान अकेले किया।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम- पीएम मोदी के आगमन को लेकर प्रयागराज में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। सीआरपीएफ और सेना के जवानों की तैनाती की गई थी। प्रधानमंत्री प्रयागराज हवाईअड्डे से हेलीकॉप्टर द्वारा नैनी स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल के मैदान पहुंचे, जहां से अरैल घाट तक गए और फिर नाव के माध्यम से संगम स्थल पहुंचे। उनकी सुरक्षा के लिए पांच सेक्टर मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह दौरा महाकुंभ के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को और अधिक बढ़ाने वाला रहा।

श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाब

महाकुंभ में संगम स्नान को लेकर देशभर से श्रद्धालु बड़ी संख्या में उमड़ रहे हैं। अब तक करोड़ों श्रद्धालु गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के पावन संगम में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। मान्यता है कि संगम स्नान से मोक्ष की प्राप्ति होती है, यही कारण है कि न केवल भारत बल्कि विदेशों से भी लाखों भक्त प्रयागराज पहुंच रहे हैं।

सांध्यप्रकाश विशेष

चारधाम के पुजारियों के साथ पीएम मोदी की भेंट, रखी ये मांग

भाजपा लोकसभा सांसद अनिल बलूनी ने किया ट्वीट, दी जानकारी

भाजपा लोकसभा सांसद अनिल बलूनी ने कहा - ÷आज उत्तराखंड के चारधाम के पुजारियों के साथ माननीय प्रधानमंत्री से भेंट की। पुजारियों ने प्रधानमंत्री को धामों के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया कि ऑल-वेदर रोड, धामों के सौंदर्यीकरण की योजनाएं और पर्यटक

सुविधाओं के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों से तीर्थ स्थलों की भव्यता बढ़ी है। पुजारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री की दूरदृष्टि के कारण हमारे पवित्र स्थान सनातन आस्थाओं के अनुरूप विकसित हो रहे हैं। यह पौराणिक परंपराओं के पुनर्स्थापना का स्वर्ण युग है। हमारे देवी-देवता आपको शक्ति प्रदान करें, आपके नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र के सिंहासन पर आरूढ़ हो।

सरकारी कर्मचारियों के लिए नया आदेश: ऑफिस में AI ऐप्स के उपयोग पर प्रतिबंध !!

नई दिल्ली। भारत सरकार ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ढ्ढ) ऐप्स और प्लेटफॉर्म्स के उपयोग को लेकर सरकारी कर्मचारियों के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी सर्कुलर में कहा गया है कि कई सरकारी कर्मचारी ऑफिस के कंप्यूटर और लैपटॉप पर ढ्ढ टूल्स जैसे ChatGPT, DeepSeek, Google Gemini आदि का उपयोग कर रहे हैं, जिससे गोपनीय दस्तावेज़ों और डेटा की सुरक्षा को गंभीर खतरा हो सकता है।

सरकारी डिवाइसेज में ढ्ढ टूल्स के उपयोग पर रोक- नए आदेश में सरकारी कर्मचारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने कार्यस्थल के कंप्यूटर, लैपटॉप और अन्य आधिकारिक डिवाइसेज पर AI ऐप्स का इस्तेमाल न करें। इस आदेश का उद्देश्य महत्वपूर्ण सरकारी डेटा और संवेदनशील सूचनाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। हालांकि, कर्मचारी चाहें तो अपने व्यक्तिगत डिवाइसेज पर इन ढ्ढ ऐप्स का उपयोग कर सकते हैं, लेकिन सरकारी सिस्टम पर इनका इस्तेमाल पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा।

डेटा सुरक्षा और प्राइवेसी के लिए लिया गया फैसला- सरकार के मुताबिक, कई विदेशी ढ्ढ ऐप्स उपयोगकर्ताओं की डिवाइस से डेटा और फाइल्स तक पहुंचने की अनुमति मांग सकते हैं। ऐसे में, इनके अनधिकृत उपयोग से संवेदनशील सरकारी दस्तावेज़ लीक होने का खतरा बढ़ जाता है। ढ्ढ टूल्स के बढ़ते उपयोग पर सरकार सतर्क भारत में ष्द्धड्डह्लत्रक्क्च, ष्ठद्गद्गश्चस्द्गद्गद्म, त्रश्शद्दद्यद्ग त्रद्गद्व्रद्बठ्ठद्ब जैसे कई विदेशी ढ्ढ टूल्स उपलब्ध हैं, जिनका लोग अपने काम को आसान बनाने के लिए उपयोग करते हैं।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस: बड़े नेता ने किया दावा, ..टीएस बाबा के नेतृत्व में लड़ेंगे विधानसभा चुनाव

अंबिकापुर। कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने अंबिकापुर में बड़ा बयान देते हुए आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी रणनीति स्पष्ट की है। उन्होंने कहा कि इस बार कांग्रेस पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी और टीएस सिंहदेव के नेतृत्व में जीत हासिल करेगी।

महंत ने कहा, ÷हमेशा से कांग्रेस में जो कुछ भी हुआ है, वह सरगुजा और बस्तर के नेतृत्व में हुआ है। इस बार हम सभी एकजुट होकर महाराज (टीएस बाबा) की अगुवाई में चुनाव लड़ेंगे और निश्चित रूप से कांग्रेस की सरकार बनाएंगे। जब पत्रकारों ने पूछा कि कांग्रेस की सरकार बनने पर मुख्यमंत्री कौन होगा, तो महंत ने स्पष्ट किया, ÷सीएम कौन होगा, यह मुद्दा नहीं है। हम सब एकजुट हैं और बाबा साहब के नेतृत्व में चुनाव लड़ेंगे। महंत ने यह भी कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में एकजुटता की कमी के कारण कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन इस बार पार्टी पूरी तरह संगठित है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस बार कांग्रेस न केवल चुनाव जीतेगी, बल्कि छत्तीसगढ़ में फिर से सरकार भी बनाएगी। कांग्रेस की इस रणनीति से आगामी चुनावी समीकरणों पर बड़ा असर पड़ सकता है। अब देखना होगा कि पार्टी के इस फैसले को कार्यकर्ता और जनता कितना समर्थन देते हैं।

एनसीसी कैडेट्स का सम्मान

मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस 2025 की राष्ट्रीय परेड में भाग लेने वाले प्रदेश के एनसीसी कैडेट्स का मुख्यमंत्री निवास बुलाकर सम्मान किया।

मप्र के 7,800 छात्रों को मिली मुफ्त स्कूटी

भोपाल में सीएम ने मेधावी विद्यार्थियों को दी चाबियां

मुख्यमंत्री बोले-मेरिट से काम नहीं बनेगा, नैतिकता भी चाहिए

भोपाल। भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 12 स्कूली विद्यार्थियों को स्कूटी की चाबियां सौंपी। इसके बाद सरकारी स्कूलों के 7,800 प्रतिभाशाली छात्रों को मुफ्त स्कूटी के लिए प्रतीकात्मक रूप से प्रमाण पत्र दिए गए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा- मेरिट से काम नहीं बनेगा, नैतिकता भी चाहिए। घर के अंदर कुछ भी चलता रहे लेकिन बाहर यह बात नहीं जानी चाहिए। हमारे संस्कार ऐसे होने चाहिए कि हम आपस के मनमुटाव को बाहर दिखने न दें।

सीएम ने कहा कि प्रतिभाशाली बच्चे जीवन में बहुत कुछ कर सकते हैं लेकिन प्रतिभा के साथ संस्कार होना भी जरूरी है। सिर्फ पढ़ा लिखा व्यक्ति ही सब कुछ नहीं होता है, गुणी होना भी जीवन में आवश्यक है।

जो विपरीत क्रम को तेजी से लागू करे, वही विक्रमादित्य- मुख्यमंत्री ने कहा- पन्ना धाय ने अपने देश के लिए अपने ही बच्चे की हत्या होते देखी है। कंस के अत्याचार पर उसे मारने के बाद भगवान कृष्ण ने सत्ता पर फिर महाराज को बैठाकर गणतंत्र की स्थापना की। सहसांक विक्रमादित्य असंभव को संभव करने वालों में थे। सुक्रम (आसान क्रम) तो कोई भी कर सकता है लेकिन विक्रम (विपरीत क्रम) तो सिर्फ विक्रमादित्य ही कर सकते हैं।

चुनाव जीतने पर हर साल भैया बुलेट देते थे

सीएम यादव ने अपना अनुभव सुनाते हुए कहा- वर्ष 1982 में मेरे भैया ने कहा कि चुनाव लड़ो, मैंने कहा- जीतूंगा तो क्या दोगे? भैया ने कहा- बुलेट दूंगा। इसके बाद 1988 तक मैं खुद और अपनी पार्टी को चुनाव जिताता रहा और हर साल भैया मुझे नई बुलेट दिलाते रहे। बुलेट तो मिल जाती थी लेकिन पेट्रोल का खर्च समझ में आता था।

बेहतर शिक्षा दे रहे मध्यप्रदेश के स्कूल

कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा- आज मिलने वाली स्कूटी बच्चों को अपने शैक्षणिक जीवन की उपलब्धियों को और बेहतर स्वरूप देने का काम करेगी। संसाधनों और समय के अभाव की कमी के चलते अब परेशानी से राहत मिलेगी।

गरीब परिवार के बच्चों को सुविधा दे रही सरकार

जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह ने कहा कि बड़े परिवारों के बच्चों को गाड़ी से कॉलेज जाने की खुशी होती है लेकिन गरीब परिवारों के बच्चों को इस तरह की सुविधाएं देने का काम मोहन यादव सरकार ने किया है। जिन बच्चों को स्कूटी मिली है, उनसे अपेक्षा है कि वे अपने माता-पिता की ओर से मुख्यमंत्री को धन्यवाद पत्र भिजवाएं। जिसके माता पिता को खुशी है, वे जरूर भेजें और जिसे खुशी नहीं है, वे धन्यवाद पत्र न भेजें।

लैपटॉप खरीदने के लिए 25,000 रुपए मिलेंगे

इसी तरह 'मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना' के तहत स्क्वबोर्ड की 12वीं परीक्षा में 75त्न या उससे अधिक नंबर हासिल करने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप खरीदने के लिए 25,000 रुपए की राशि दी जाती है। 2022-23 में 78,641 विद्यार्थियों को यह फायदा मिला था, लेकिन इस बार यह संख्या 90,000 के पार पहुंच चुकी है।

यह आंकड़ा पिछले साल की तुलना में 12,000 ज्यादा है। सरकार इस योजना पर 225 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च करेगी। 2009-2010 से चालू हुई इस योजना में पहले मेधावी विद्यार्थियों का क्राइटेरिया 85 फीसदी अंकों तक रखा गया था, लेकिन बाद में इसे कम कर 75त्न कर दिया गया।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट: पीएम मोदी 23 की रात भोपाल में ही रुकेंगे

भोपाल। मानव संग्रहालय के 250 एकड़ में तैयारी टेक्सटाइल-ऑटो मोबिलिटी एक्सपो, डोम... साथ में टेंट सिटी की योजना मोदी 24 को 10 रूपर करेंगे त्वद्भस् की शुरुआत, 50 शीर्ष उद्योगपति-30 देशों के प्रतिनिधि होंगे शामिल भोपाल में 24 फरवरी से दो

दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) शुरू होगी। इसका शुभारंभ पीएम नरेंद्र मोदी 24 फरवरी को सुबह 10 बजे करेंगे। समिट में शामिल होने के लिए अब तक 30 देशों के राजदूत व काउंसलर ने सहमति दे दी है। कई देशों के उद्योगपति भी इसमें शामिल हगे। टूरिज्म, एनर्जी, माइनिंग, आईटी, एमएसएमई-स्टार्टअप और अर्बन के केंद्रीय मंत्री व केंद्रीय सचिव भी मौजूद रहेंगे। मुख्य समिट के बाद विभागों का अलग से शिखर सम्मेलन होगा। इसे लेकर राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में तैयारियां तेज हो गई हैं।

10 ग्राम सोना पहली बार 84 हजार के पार

नई दिल्ली। सोना आज यानी 5 फरवरी को लगातार तीसरे दिन ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,313 रुपए बढ़कर 84,323 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले कल यानी 4 फरवरी को सोना 83,010 रुपए प्रति दस ग्राम के ऑलटाइम हाई पर था। चांदी के दाम में भी आज तेजी है। ये 1,628 रुपए महंगी होकर 95,421 रुपए प्रति किलो हो गई है।

USAID फंडिंग हुआ विवादित, भारत में इस अमेरिकी सहायता में गिरावट जारी

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा विदेशी सहायता की पुनर्मूल्यांकन और पुनर्संरेखण (re-evaluation & realignment) के फैसले ने वैश्विक स्तर पर हलचल मचा दी है।

अमेरिका की विदेशी सहायता वेबसाइट के आंकड़ों के अनुसार, USAID (यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट) द्वारा भारत को दी जाने वाली वित्तीय सहायता में महामारी के बाद से लगातार गिरावट देखी गई है।

स्वास्थ्य क्षेत्र पर प्रभाव

2024 में SAID ने भारत के स्वास्थ्य और जनसंख्या परियोजनाओं के लिए लगभग 80 मिलियन दिए, जिसमें :

$43 मिलियन "बेसिक हेल्थ" के लिए

$21 मिलियन बाल स्वास्थ्य और परिवार नियोजन के लिए

$9.9 मिलियन HIV/AIDS कार्यक्रमों के लिए

मप्र में पन्ना के बाद अब ग्वालियर की धरती उगलेगी हीरा

35 गांव चिह्नित, 421 वर्ग किमी क्षेत्र में डायमंड ब्लॉक देने की तैयारी

ग्वालियर। मध्य प्रदेश में हीरे के लिए खास पन्ना जिले के बाद अब ग्वालियर की धरती हीरा उगल सकती है। इसके लिए 35 गांव चिह्नित किए हैं।ग्वालियर और शिवपुरी जिले के इन गांवों में पहाड़ और मिट्टी पन्ना जिले जैसी है। इस कारण हीरा होने की संभावना ज्यादा है। जिले के 421 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में डायमंड ब्लॉक देने की तैयारी है। इसे नरवर डायमंड ब्लॉक का नाम दिया गया है। जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया ने राजस्व, वन और आरक्षित वन भूमि की जानकारी मांगी है।

चंबल की मिट्टी अब हीरा उगलेगींज. जी हां, आपने सही सुना है। जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया ने ग्वालियर और शिवपुरी जिले के राजस्व, वन और आरक्षित वन भूमि की जानकारी मांगी है। जिसके बादज. लगभग 35 लोकेशन के टेंडर होंगे। फिर उसकी नीलामी होगी। दरअसल, पन्ना में हीरा पाया जाता हैज. यह विंध्य ग्रुप का हिस्सा है। ग्वालियर भी विंध्य ग्रुप के तहत आता है। मिट्टी और पहाड़ों की एक जैसी स्थिति को देखते हुए जीएसआई ने सर्वे किया था। इसमें ग्वालियर और शिवपुरी में हीरा मिलने की संभावना नजर आई है।

जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के तहत इन गांव की पहाड़ियों पर हीरे मिलने की संभावना है-

घाटीगांव ब्लॉक- करई, दुर्गसी, बन्हेरी, सेकरा, चुही, बराहना, पटपरी, उम्मेदगढ़, ओबरा, पाटई, मानपुरा, कलवाह, सेमरी, चनगोरा, डागोर, तघई, बडक़ागांव, मोहना, आदि गांव में खनन किया जाएगा

भितरवार ब्लॉक- भितरी, गधोटा, मावथा, हरसी, खोर, मुसाहरी, सेबई, जतरथी, रिछारी खुर्द, जखवार, बेलगड़ा, डोंगरपुर, मुधारी, रुअर, तालपुर वीरन, बमोर, रिछारी कला, हुरहुरी, रिठोदन, गाजना, श्याऊ, चिटोली, देवरी कला, कैथोड, धोबट, लोढी, करहिया, बैना।

घाटीगांव क्षेत्र के अधिकतर गांव में 100 फीसदी क्षेत्र में खनन का ब्लॉक दिया जाएगा। भितरवार के लोढी में 2 फीसदी जगह पर ही खनन ब्लॉक मिलेगा। रिछारी कला में 1 फीसदी जगह पर ब्लॉक मिलेगा। वही हीरे की खबर को लेकर ग्रामीण भी काफी खुश नजर आ रहे है।ग्रामीणों का कहना है कि अगर हीरे की करने यहां पर संचालित होती है तो यहां के लोगों को रोजगार मिलेगा और आमदनी बढ़ेगी।

अभी ग्वालियर ओर शिवपुरी में सफेद और लाल पत्थर का खनन हो रहा है। इसके अलावा आयरन की भी खदान आवंटित है। पनिहार के पास नई खदान आवंटित करने की प्रक्रिया चल रही है। इसके साथ ही कांच की खदान डबरा में दी गई हैं। यहां से निकलने वाले खनिज से कांच तैयार किया जा रहा है। वहीं अब हीरा खनन के लिए ब्लॉक दिया जाना है। ऐसे में कहा जा सकता हैज हीरा मिलने पर ग्वालियर की पहचान भी पन्ना की तरह होगी।रोजगार के नए अवसर भी खुलेंगे।

SEIL यात्रा का नागरिक अभिनंदन उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल हुए शामिल

वास्तुशास्त्र में जैसे ईशान्य कोण का महत्व है वैसे ही भारत के लिए ईशान्य प्रदेश महत्वपूर्ण हैः शुक्ल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा आयोजित SEILयात्रा के अंतर्गत पूर्वोत्तर भारत से आए प्रतिनिधियों का भव्य नागरिक अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि SEIL ट्रस्ट के अध्यक्ष अतुल कुलकर्णी मुख्य वक्ता रहे। कार्यक्रम में SEILयात्रा के कॉर्डिनेटर राहुल मोंग, स्वागत समिति के अध्यक्ष बादाम सिंह, स्वागत समिति के सचिव रोहित जोशी एवं नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थी परिषद एक ऐसा संगठन है, जो राष्ट्र को जोड़ने और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने SEILयात्रा को भारतीय संस्कृति और एकता का परिचायक बताते हुए कहा कि यह पहल भारत को एक राष्ट्र, एक जन, एक संस्कृति के सूत्र में बांधने का कार्य कर रही है। मानवता की अगर कोई रक्षा कर सकता है तो वह केवल भारत है। विकास को यदि अवसर बनाना है तो धर्म और संस्कृति को आधार बनाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि वास्तुशास्त्र में जैसे ईशान्य कोण का महत्व है वैसे ही भारत के लिए ईशान्य प्रदेश महत्वपूर्ण है।

SEILट्रस्ट के अध्यक्ष अतुल कुलकर्णी ने कहा कि SEIL यह केवल एक प्रवास नहीं है। यह एक दूसरे को समझने का कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि SEILके प्रतिनिधि आज शिक्षा, लोकतंत्र, न्याय और संस्कृति सहित विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व कर रहे हैं, जिससे इस यात्रा की सफलता सिद्ध होती है। अभाविप द्वारा संचालित SEILयात्रा, जिसे राष्ट्रीय एकात्मता यात्रा भी कहा जाता है, पूर्वोत्तर भारत के छात्र-छात्राओं को भारतीय संस्कृति, परंपरा और जीवनशैली से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इस वर्ष 22 जनवरी से 13 फरवरी 2025 तक चल रही इस यात्रा में पूर्वोत्तर भारत के 256 छात्र-छात्राएँ भाग ले रहे हैं, जो भारत के 32 राज्यों के 32 स्थलों का भ्रमण करेंगे। यात्रा का समापन 13 फरवरी को गुवाहाटी में होगा।

भोपाल प्रवास के मुख्य कार्यक्रम

1 फरवरी को भोपाल आगमन पर SEIL प्रतिनिधियों का भोपाल रेलवे स्टेशन पर भव्य स्वागत किया गया। 2 ,3 और 4फरवरी को उन्होंने भोपाल के स्थलों का भ्रमण किया, जिसमें मध्यप्रदेश फ्लाइंग क्लब, मानव संग्रहालय, मध्यप्रदेश विधानसभा, मुख्यमंत्री निवास, मध्यप्रदेश शूटिंग अकादमी, दूरदर्शन केंद्र एवं छ्रु यूनिवर्सिटी शामिल रहे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वछ्रु प्रतिनिधियों से मुलाकात कर अपने पुराने अनुभव साझा किए और उन्हें भारत की सांस्कृतिक विविधता को अपनाने और राष्ट्र की एकता को मजबूत करने का संदेश दिया। भोपाल प्रवास के दौरान SEILप्रतिभागी स्थानीय होस्ट फैमिली के साथ रहे, जिससे उन्हें मध्यप्रदेश की संस्कृति और परंपराओं को नज़दीक से जानने का अवसर मिला। SEIL की यह पहल वर्षों से एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत कर रही है और भारत की सांस्कृतिक विविधता में एकता को सशक्त कर रही है।

नर्मदा जयंती पर सबनानी ने किया शीतल दास की बगिया के जीर्णोद्धार कार्य का लोकार्पण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

शहर में मां नर्मदा जयंती पर कई आयोजन हुए, शहर के सबसे पुराने और खूबसूरत स्थल शीतल दास की बगिया में मां नर्मदा जयंती की अलग ही छठा बिखिरी हुई थी शीतल दास की बगिया में स्थापित मां नर्मदा जी की विशाल प्रतिमा का पूजन कर लोग मां नर्मदा का आशीर्वाद ले रहे थे।

नर्मदा जयंती के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व दक्षिण-पश्चिम विधानसभा के लोकप्रिय विधायक भगवानदास सबनानी विशेष आयोजन में पहुंचकर मां नर्मदा जी प्रतिमा की आरती उतार कर प्रदेशवासियों के लिए खुशहाली की कामना की और शीतल दास की बगिया के जीर्णोद्धार के कार्य का लोकार्पण किया, श्री सबनानी ने कहा कि मां नर्मदा जयंती के पावन अवसर पर शीतल दास की बगिया के जीर्णोद्धार के कार्य का लोकार्पण करना मेरा सौभाग्य है, हम बरसों से यहां आ रहे हैं यह स्थान हमारी धार्मिक आस्था के लिए एक विशेष महत्व रखता है वर्ष भर यहां अनेकों धार्मिक आयोजन होते हैं ऐसे स्थान की सुंदरता बनाए रखते हुए उसका विस्तार होना अति आवश्यक है, जिसके लिए हम सब मां नर्मदा जयंती के पावन अवसर पर उपस्थित हैं। मैं उपस्थित सभी लोगों को इस पावन अवसर पर अपनी शुभकामनाएं देता हूं और एक विनती भी करता हूं, कि हमें अपने महत्वपूर्ण स्थान की सुंदरता बनाए रखने के लिए विशेष ध्यान देने की जरूरत है स्वच्छ भारत अभियान का महत्व इन स्थानों के लिए बढ़ जाता है। इस अवसर पर जोन अध्यक्ष व पार्षद श्रीमती आरती राजू अनेजा भाजपा जिला कार्यालय प्रभारी राजू आनेजा मंडल अध्यक्ष पारस नरवरिया वरिष्ठ अधिवक्ता एम एल राय नर्मदा लाओ समिति के अध्यक्ष महेश मालवीय गुड्डु शुक्ला रामनेता सिंह सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

यातायात पुलिस के सड़क सुरक्षा अभियान में सेमीनार और सम्मान समारोह आयोजित

संत हिरदाराम नगर। यातायात पुलिस ने सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत एक यातायात जागरूकता सेमिनार और सम्मान समारोह का आयोजन किया। सम्मान समारोह में सेवा सदन के सचिव हीरो ज्ञानचंदानी, मैनेजिंग ट्रस्टी ए.सी. साधवानी, डायरेक्टर कुशल धर्मानी, अस्पताल प्रशासक अनुशा तिवारी और कैंप कोऑर्डिनेटर नीलेश वाघमारे को सम्मानित किया गया। अभियान के तहत सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय ने माह जनवरी 2025 में भोपाल शहर के विभिन्न स्थानों पर पांच नि:शुल्क दृष्टि दोष एवं जांच शिविर लगाए, जिनमें दृष्टि दोष और नेत्र रोगों से पीड़ित 1300 से अधिक ड्राइवरों ने अपनी आंखों की जांच करवाई। यातायात पुलिस ने मानस भवन में आयोजित इस सम्मान समारोह के साथ जागरूकता सेमिनार भी आयोजित किया, जिसमें सड़क सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं और उनके महत्व पर भी चर्चा की गई ।सेमिनार में मुख्य अतिथि भोपाल के पुलिस कमिश्नर हरि नारायण चारी मिश्र ने नागरिकों से यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने की अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि जागरूकता अभियान में स्कूलों के नौ हजार और कॉलेजों के पांच हजार विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसी कड़ी में बाइक रैली और चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। सेमिनार में यातायात शिक्षा के साथ-साथ यह भी बताया गया कि सड़क दुर्घटनाओं में सबसे ज्यादा संख्या 35 वर्ष से कम उम्र के लोगों की होती है। इसलिए इस तरह के जागरूकता अभियान सिर्फ महीने भर के लिए नहीं, बल्कि सदैव होते रहना चाहिए।

भगवान देवनारायण का जन्म उत्सव धूमधाम से मनाया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

तारा सेवनिया देवनगरी में भगवान देवनारायण की कथा के छठवें दिन में कथा का स्मरण कराते हुए कथा वाचक सांवरिया गुर्जर ने देवनारायण भगवान से जन्म से जुड़ी तथा का वर्णन किया उन्होंने कथा में बताया कि साडू माता भगवान के कहे अनुसार सुबह ब्रह्म मुहर्त में स्नान ध्यान कर भगवान का स्मरण करती है। वहीं मालासेरी की डूंगरी पर पहाड़ टूटता है और उसमें से पानी फूटता है, जल की धार बहती हुई निकलती है, पानी में कमल के फूल खिलते हैं, उन्हीं फूलों में से एक फूल में भगवान विष्णु देवनारायण के रुप में अवतरित होते हैं। एवं भगवान देवनारायण की लीलाओं का वर्णन किया इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे कथा के समापन पर विशाल भंडारे के साथ में सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन भी किया जाएगा।

शोभायात्रा एवं महाआरती में शामिल हुए बालिस्ता रावत

भोपाल। कमल मीना पड़ा बाबा के नेतृत्व एवं भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, भोपाल जिला प्रभारी बालिस्ता रावत के उपस्थिति में श्रीखेड़ापति छोला हनुमान मंदिर से भगवान विष्णु के अवतार देवनारायण भगवान की शोभायात्रा निकाली गई, शोभायात्रा सत्य ज्ञान नगर, गरीब नगर होते हुये देवनारायण मंदिर पहुंची महाआरती के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया । इस अवसर पर विशेष रूप से गजेंद्र ऊंटवार, राजा राजपूत उपस्थित थे।

छात्राओं ने पेंटागन स्पेस प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलोर में प्लेसमेंट हासिल किया

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज की तीन प्रतिभाशाली अंतिम वर्ष की छात्राओं को वर्चुअल कैंपस ड्राइव के माध्यम से पेंटागन स्पेस प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलोर में फुल स्टैक डेवलपर ट्रेनी के रूप में सफलतापूर्वक प्लेसमेंट प्राप्त हुआ। यह प्लेसमेंट ड्राइव कॉलेज के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित की गई थी, जो आईटी उद्योग में करियर बनाने की इच्छा रखने वाले बी.सी.ए. तृतीय वर्ष और बी.एस.सी. (कंप्यूटर साइंस) तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर था। 36 उत्साही उम्मीदवारों में से, निम्नलिखित छात्राओं ने प्लेसमेंट हासिल किया। राहिन खान, वर्षा गुरानी, स्वाति शुक्ला इन छात्राओं की यह उपलब्धि उनके समर्पण, तकनीकी दक्षता और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है।

तीसरे पक्ष के निर्माण से भोपाल में थिंक गैस पाइपलाइन को नुकसान पहुंचा

भोपाल। भोपाल बाईपास रोड पर नंदी तिराहा के पास एक घटना हुई, जिसके परिणामस्वरूप थिंक गैस द्वारा संचालित एक गैस पाइपलाइन को नुकसान पहुंचा। जांच करने पर पता चला कि यह नुकसान उस क्षेत्र में किए गए तीसरे पक्ष के पाइलिंग कार्य के दौरान हुआ था। उत्खनन कार्य के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को नुकसान का एहसास होने के बाद वह साइट से भाग गया। थिंक गैस की टीम, एक आपातकालीन प्रतिक्रिया वाहन के साथ, तुरंत स्थान पर पहुंची और नुकसान को ठीक करने के लिए तत्काल कार्रवाई की, जिससे प्रभावित क्षेत्रों में गैस की आपूर्ति बहाल हो गई। इस घटना के कारण हुए व्यवधान के कारण कई इलाकों में गैस की आपूर्ति बाधित हुई। महत्वपूर्ण बात यह है कि अगर उत्खनन कार्य के बारे में थिंक गैस को पहले से जानकारी दी गई होती तो इस नुकसान से बचा जा सकता था। ऐसी घटनाओं से गैस की आपूर्ति बाधित होती है और साथ ही जान-माल को भी काफी खतरा होता है।

वैबटेक ने की भारत में अपने एक्सीड 3.0 कैंपस चैलेंज के विजेताओं की घोषणा

भोपाल। वैबटेक कॉरपोरेशन ने आज भारत में कंपनी की 2024-25 एक्ससीड 3.0 कैंपस चैलेंज के विजेताओं की घोषणा की। यह इस प्रतियोगिता का तीसरा संस्करण था, जिसमें प्रतिभावान युवाओं को अपनी रचनात्मक क्षमताओं को प्रदर्शित करने और उन्हें रेलवे उद्योग की गतिशील और जटिल वास्तविकताओं के अनुरूप बनाने का अवसर मिला. भारत में वैबटेक कॉरपोरेशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और क्षेत्रीय प्रमुख डॉ. सुजाता नारायण ने कहा एक्ससीड कैंपस चैलेंज एक बेहतरीन द्विवार्षिक अवसर है, जो आने वाले समय के विचारक और कर्मशील पीढ़ी तैयार करने में मदद करता है. विजेता टीमों ने उस नवीनतम विचार, तकनीकी समझ, समर्पण और उत्साह को दिखाया, जो रेलवे उद्योग में सफलता पाने के लिए जरूरी हैं.

अवैध शराब कारोबारियों पर कर्रवाई की मांग को लेकर डीसीपी को सौंपा ज्ञापन

भोपाल। संस्कृति बचाओं मंच के मिडिया प्रभारी छोटेलाल गिरी व रामस्वरूप राजपूत ने अवैध शराब कारोबारियों पर कार्यवाही की मांग को लेकर डीसीपी जोन-2 को ज्ञापन सौंपा। गिरी ने आरोप लगाया कि गोविंदपुरा बरखेड़ा पठानी क्षेत्र में रहने वाला शुभम मेहरा व उसके सहयोगियों द्वारा खुलेआम सुबह से रात 11 बजे तक पुलिस चौकी व उसके आस पास के क्षेत्रों में शराब का विक्रय करते है। विगत 2-वर्षों से बरखेड़ा पठानी क्षेत्र में शासकीय शराब की कोई दुकान नहीं है, परन्तु खुलेआम अवैध रूप से शराब का विक्रय करते है, पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है । पूर्व में समाचार भी खुल्लम खुल्ला अवैध शराब विक्रय करने का खुलासा किया जा चुका है उसके पश्चात भी पुलिस द्वारा शराब विक्रेताओं पर कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। बरखेड़ा पठानी में रहने वाले नागरिक भयभीत है, महिलाओं का रास्तों से निकलना मुश्किल हो गया है, शराब पीने वाले गंदे गंदे कमेंट करते है तथा गाली गलौच करते है। शुभम मेहरा व उसके सहयोगी अपराधिक प्रवृत्ति के है इनके खिलाफ कोई भी शिकायत करने की हिम्मत नहीं कर पाता है । गिरी ने चेतावनी दी है कि एक सप्ताह में कार्यवाही नहीं होती है तो संस्कृति बचाओं मंच द्वारा गोविंदपुरा थाने का घेराव किया जावेगा । छोटेलाल गिरी के साथ, रामस्वरूप राजपूत, नीलेश राजपूत, प्रिंस गिरी, सुरेन्द्र धाकड, पदम सिंह उमरे, नामदेव कम्हारे, शिवकुमार दरवई, दुर्गादास साकरे ने ज्ञापन सौंपा ।

निगम आयुक्त ने किया सफाई व्यवस्था का निरीक्षण

भोपाल। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने स्वच्छ सर्वेक्षण के मापदण्डों अनुसार साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक बेहतर ढंग से सुनिष्चित कराने के दृष्टिगत शहर के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर समक्ष में एवं वी.सी.के माध्यम से निर्देषित किया कि भोपाल शहर को बैनर/पोस्टर फ्री शहर बनाना सुनिश्चित करें और शहर में कहीं भी बैनर/पोस्टर, स्टीकर न लगने पाए तथा उन्हें तुरंत हटाने की कार्यवाही सुनिश्चित करें। निगम आयुक्त श्री नारायन ने सर्विस रोड व साईड वर्ज के दोनों ओर गंदगी, झाड़ियां व खरपतवार को हटाकर बेहतर साफ-सफाई कराने, मुख्य रेलवे स्टेशन एवं रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के आसपास बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था निरंतर सुनिश्चित करने साथ ही पिकिंग पर विशेष ध्यान देने और स्पॉट फाईन की कार्यवाही सख्ती से करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने मंगलवार को शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए लिंक रोड नंबर 02, 07 नंबर, रानी कमलापति स्टेशन रोड, सावरकर सेतु, नर्मदापुरम मार्ग, मण्डीदीप, भोजपुर रोड, 11मील, बरई-लहारपुर-बागसेवनिया मार्ग आदि क्षेत्रों का निरीक्षण कर साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया और निर्देशित किया कि भोपाल शहर को बैनर/पोस्टर फ्री शहर बनाना सुनिश्चित करें तथा शहर में कहीं भी बैनर/पोस्टर, स्टीकर न लगने पाए तथा उन्हें तुरंत हटाने की कार्यवाही सुनिश्चित करें।

मड़बैया साहित्य सदन में बुन्देली बसन्तोत्सव-काव्य संध्या का आयोजन

भोपाल। अखिल भारतीय बुंदेलखण्ड साहित्य एवं संस्कृति परिषद के तत्वाधान में बुन्देली बसन्तोत्सव-काव्य संध्या का आयोजन परिषद-मुख्यालय 75 चित्रगुप्त नगर कोटरा स्थित मड़बैया साहित्य सदन में भव्य गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर पीत पुष्प् समर्पण के साथ वीणा वादिनी की आराधना की गई। परिषद के संगठन मंत्री देवेन्द्र जैन ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि उक्त सरस्वती आराधना के बासंती वातावरण में अनेक प्रतिष्ठित साहित्यकारों ने भागीदारी की। पद्मश्री कवि कैलाश मड़बैया ने अपनी रचनाओं में निरुपित किया कि बसंत का आगमन प्रतीक है पतझड़ के अंधेरे से प्रकाष की ओर जाने का,सरस्वती-आराधना से नवल ज्ञान प्राप्ति का और नव जीवन के.उल्लास का। प्रमोद,देवेन्द्र कुमार जैन पूर्व डी.जे.एवं अतुल,मालती, पुष्कर,सुनील आदि अनेक कवियों ने अपनी प्रभावी कविताओं से बसंत का अभिनंदन किया।

बीएसएसएस कॉलेज में विश्व कैंसर दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

भोपाल। इंटास फाउंडेशन भोपाल द्वारा बीएसएसएस कॉलेज के समाज कार्य विभाग, प्रोफेशनल सोशल वर्क स्टूडेंट्स एसोसिएशन, अर्थशास्त्र विभाग, मनोविज्ञान विभाग, और फील्ड एक्शन प्रोजेक्ट्स दिशा के संयुक्त तत्वावधान में विश्व कैंसर दिवस का आयोजन बीएसएसएस कॉलेज में किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना, इसके रोकथाम के उपायों पर चर्चा करना और समाज में स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना था।

इस अवसर पर डॉ. संगीता सिंह (सलाहकार नैदानिक मनोवैज्ञानिक / सुविधा समन्वयक - जवाहरलाल नेहरू कैंसर अस्पताल) ने कैंसर के मानसिक और भावनात्मक प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की।इसके अलावा, इंटास फाउंडेशन भोपाल से राजेश चौहान प्रोजेक्ट एसोसिएट सुनीता नायडू काउंसलर रवि चौहान काउंसलर बीएसएसएस कॉलेज से , डॉ. शीबा जोसेफ डॉ. रुत्विक जे. गंधे (एचओडी, सामाजिक कार्य विभाग) लोकेश भारतीय जी (सहायक प्रोफेसर) अतुल विश्वकर्मा जी (सहायक प्रोफेसर) स्टेला एल्सा सैमुअल जी (सहायक प्रोफेसर) डॉ. नम्रता श्रीवास्तव (सहायक प्रोफेसर) संजीत डे (सहायक प्रोफेसर) दिव्यांकुर तिवारी (सहायक प्रोफेसर) सामाजिक कार्य और अर्थशास्त्र विभाग के सभी संकाय सहायक प्रोफेसर सदस्य एवं छात्रगण ने कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम की प्रमुख गतिविधियां पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से डॉक्टर संगीता सिंह द्वारा जागरूकता कार्यक्रम प्रश्नोत्तरी सेशन छात्रों के लिए क्विज कांटेस्ट इंटास फाउंडेशन की एक वार्षिक रिपोर्ट और पम्पलेट का वितरण कैंसर के लक्षण, रोकथाम और प्रारंभिक पहचान पर चर्चा मानसिक स्वास्थ्य पर कैंसर के प्रभावों की जानकारी कैंसर के प्रति समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने पर जोर कैंसर से पीड़ित लोगों को नैतिक समर्थन और जागरूकता बढ़ाने की अपील कार्यक्रम में इंटास फाउंडेशन भोपाल और विशेषज्ञों ने बताया कि नियमित स्वास्थ्य जांच और जागरूकता से इस गंभीर बीमारी को रोका जा सकता है। उन्होंने कैंसर रोगियों और उनके परिवारों के मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करने पर भी विशेष जोर दिया। अंत में, एवं प्रतिभागियों ने कैंसर के प्रति समाज को अधिक जागरूक और संवेदनशील बनाने का संकल्प लिया।

परीक्षा प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को किया सम्मानित

संत हिरदाराम नगर। संस्कार विद्यालय में हर मंगलवार को प्रातः प्रार्थना के समय हनुमान चालीसा का पाठ का प्रारम्भ किया था। इसी कड़ी में इस मंगलवार को संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी, कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव, समाजसेवी विजय वर्मा, कन्हैयालाल मोटवानी बच्चों का उत्साह वर्धन करने के लिए उपस्थित हुए।

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति इटारसी जिला-नर्मदापुरम (म.प्र.)

क्रमांक/मंडी/स्टोर/2024-25/1569 इटारसी दिनांक 04/02/25

कोटेशन सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय में कार्यरत वर्दीधारी कर्मचारियों के उपयोग हेतु निर्धारित गणवेश अनुसार वर्दी व अन्य आवश्यक सामग्री की आवश्यकता है। वर्दी संबंधी सामग्री सूची स्टोर शाखा में आकर प्राप्त की जा सकती है। अतः इच्छुक सामग्री प्रदायकर्ता / फर्म से दिनांक 22.02.2024 तक कार्यालयीन समय दोपहर 3.30 बजे तक कोटेशन दर (नमूना सहित) आमंत्रित की जाती है। प्रस्तुत कोटेशनदाताओं में भंडार नियमानुसार प्राधिकृत / अधिकृत एजेन्सियों अनुसूचि जाति/जनजाति के उद्यमियों को प्राथमिकता दी जावेगी। प्राप्त कोटेशन दिनांक 24.02.2025 को समय दोपहर 4.30 आप अथवा प्रतिनिधी के समक्ष खोली जावेगी। कोटेशन स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार मंडी समिति इटारसी का होगा।

नोट - वर्दी एवं अन्य सामग्री की सूची व शर्तें कार्यालयीन समय में दिनांक 22.02.2025 तक प्राप्त की जा सकती है

सचिव
कृषि उपज मंडी समिति इटारसी जिला नर्मदापुरम

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के प्रदेश में क्रियान्वयन की मंत्रि-परिषद ने दी स्वीकृति

5 साल में 10 लाख आवासों का किया जाएगा निर्माण, 4,400 रोजगार होंगे सृजित

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के प्रदेश में क्रियान्वयन करने की स्वीकृति दी गई। योजना अनुसार प्रदेश के आर्थिक रूप से कमजोर, निम्न तथा मध्यम आय वर्ग के पात्र हितग्राही परिवारों को योजना के चार घटकों के माध्यम से लाभान्वित करने के लिए 5 वर्षों की योजना अवधि में 10 लाख आवासों का निर्माण किया जायेगा। इसमें 50 हजार करोड़ रूपये व्यय होंगे। बेनेफिसयरी लेड कंस्ट्रक्शन (बी.एल.सी.) घटक अंतर्गत ईडब्ल्यूएस वर्ग के पात्र हितग्राही को अपनी स्वयं की भूमि पर स्वयं आवास का निर्माण करने के लिए अनुदान प्रदान किया जायेगा।

एफोर्डेबल हाउसिंग इन पार्टनशिप (ए.एच.पी.) घटक अंतर्गत ईडब्ल्यूएस वर्ग के पात्र हितग्राहियों को नगरीय निकायों, राज्य की अन्य निर्माण एजेंसियों तथा निजी बिल्डर/डेवलपर के द्वारा आवासों का निर्माण कर प्रदान किया जायेगा। इस घटक अंतर्गत निजी डेवलपर द्वारा क्रियान्वित व्हाइट लिस्टेड/ओपन मार्केट परियोजनाओं में हितग्राहियों द्वारा आवास ऋय करने के लिए रिडीमेबल हाऊसिंग वाउचर (आरएचवी) प्रदान किए जाने की स्वीकृति दी गयी है। एफोर्डेबल हाउसिंग इन पार्टनशिप (ए.आर.एच.) घटक अंतर्गत कामकाजी महिलाओं / औद्योगिक श्रमिकों / शहरी प्रवासियों बेघर निराश्रितों /छात्रों एवं अन्य पात्र हितग्राहियों के लिए किराये के आवास बनाकर उपलब्ध किया जायेगा। इंटरेस्ट सब्सिडी स्कीम (आई.एस.एस.) घटक अंतर्गत ईडब्ल्यूएस, एलआईजी एवं एमआईजी वर्ग के पात्र परिवारों को आवास ऋण पर ब्याज अनुदान बैंक/एचएफसी के माध्यम से प्रदान किया जायेगा योजना अनुसार कल्याणी महिलाओं, सिंगल वूमेन, दिव्यांगों, वरिष्ठ नागरिकों, ट्रांसजेंडर्स, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यकों तथा समाज के अन्य कमजोर एवं वंचित वर्गों के व्यक्तियों को वरीयता दी जाएगी। साथ ही सफाई कर्मियों, पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत चिन्हित स्ट्रीट वेंडरों, पीएम विश्वकर्मा योजना के विभिन्न कारीगरों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिकों, तथा मलिन बस्ती/चॉल के निवासियों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। बी.एल.सी. घटक के लिए अनुदान राशि 2.50 लाख प्रति आवास तथा ए.एच.पी. घटक की परियोजनाओं के लिए अनुदान राशि 2.50 लाख प्रति आवास की स्वीकृति प्रदान की गई। 10 लाख आवासों के निर्माण के लिए अनुमानित राशि 50,000 करोड़ रूपये का निवेश संभावित है। इसमें केंद्र सरकार तथा राज्य सरकार से अनुमानित अनुदान राशि 23,025 करोड़ रूपये प्रदान किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। योजना अंतर्गत पात्र हितग्राही परिवारों के लिए हर मौसम अनुकूल आवासों के निर्माण के साथ साथ समुचित अधोसंरचना जैसे सड़क, जल प्रदाय, मल-जल निकासी, पार्क तथा सामाजिक अधोसंरचना जैसे आंगनवाड़ी, प्राथमिक शाला एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आदि विकसित किये जायेंगे। शासन सभी पात्र हितग्राही परिवारों को आवास प्रदान किया जाना सुनिश्चित करेगा।

शहरी अवास योजना में बड़े शहरों को मलिन बस्ती मुक्त करने की दिशा में भूमि को संसाधन के रूप में उपयोग करते हुए पीपीपी मॉडल पर परियोजनाओं के क्रियान्वयन की स्वीकृति दी गई। ईडब्ल्यूएस वर्ग के हितग्राहियों का अंशदान कम करने के लिए पूर्वानुसार क्रॉस सब्सिडी मॉडल को क्रियान्वित करने के लिए आर्थिक रूप से कमजोर आय वर्ग की श्रेणी के आवासों के निर्माण के साथ निम्न आय वर्ग तथा मध्यम आय वर्ग के लिए भी मिश्रित रूप से आवासों, व्यवसायिक इकाइयों का निर्माण तथा भूखंड विकसित करने की स्वीकृति दी गई। एएचपी-लोक परियोजनाओं में हितग्राही अंश की व्यवस्था के लिए हितग्राही, नगरीय निकाय तथा बैंक/एचएफसी के मध्य पूर्वानुसार त्रिपक्षीय अनुबंध के माध्यम से ऋण उपलब्ध किये जाने एवं भूमिहीन पात्र हितग्राही परिवारों को आवासीय भूमि का पट्टा प्रचलित प्रावधान अनुसार उपलब्ध किये जाने की भी स्वीकृति दी गई, जिससे भूमिहीन गरीबों को भी बीएलसी घटक का लाभ प्राप्त हो सके। मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश सेमी कंडक्टर नीति 2025 लागू किये जाने की स्वीकृति दी गयी। उत्कृष्टता केंद्रों के लिए सकारात्मक भूमिका में सहयोगी, स्किल इंडिया जैसी पहल और वैश्विक तकनीकी उन्नत कंपनियों के साथ साझेदारी भारतीय कार्य बल को चिप डिजाइन, निर्माण, और सिस्टम एकीकरण में उन्नत कौशल तथा इस क्षेत्र में लाखों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित कर आर्थिक विकास को बढ़ावा देने राज्य को इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर निर्माण केंद्र के रूप में विकसित किये जाने की आवश्यताओं के दृष्टिगत राज्य शासन द्वारा मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर नीति-2025 जारी करने का निर्णय लिया गया है।

मध्यप्रदेश ड्रोन संवर्धन एवं उपयोग नीति-2025 की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा राज्य को ड्रोन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी बनाने मध्यप्रदेश ड्रोन संवर्धन एवं उपयोग नीति-2025 की स्वीकृति दी गयी हैं। स्वीकृति अनुसार मध्यप्रदेश ड्रोन संवर्धन एवं उपयोग नीति-2025 के लाभ मिलेंगे। आर्थिक विकास ड्रोन नीति से राज्य में निवेश आकर्षित होगा, जिससे आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और राज्य की समृद्धि में वृद्धि होगी। रोजगार सृजन ड्रोन उद्योग में नई नौकरियों का सृजन होगा, जिससे युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। तकनीकी प्रगति ड्रोन प्रौद्योगिकी में अनुसंधान और विकास को प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे राज्य की तकनीकी क्षमताओं में वृद्धि होगी। कृषि सुधार ड्रोन का उपयोग सटीक कृषि, फसल निगरानी और सिंचाई प्रबंधन में किया जाएगा, जिससे कृषि उत्पादन में सुधार होगा। आपदा प्रबंधन में ड्रोन का उपयोग तेजी से प्रतिक्रिया और राहत कार्यों में मदद करेगा। मानव सुरक्षा एवं सार्वजनिक सुरक्षा ड्रोन का उपयोग निगरानी, भीड़ नियंत्रण और अपराध जांच में किया जाएगा, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा में सुधार होगा। बुनियादी ढांचों पुलों, सड़कों और अन्य बुनियादी ढांचे के निरीक्षण में किया जाएगा, जिससे रख-रखाव और सुरक्षा में सुधार होगा। पर्यावरण संरक्षण: ड्रोन का उपयोग वन्यजीव निगरानी, प्रदूषण निगरानी और व्रन प्रबंधन में किया जाएगा, जिससे पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलेगी। शिक्षा और कौशल विकास ड्रोन प्रौद्योगिकी को शैक्षिक कार्यक्रमों में शामिल किया जाएगा, जिससे छात्रों और पेशेवरों को नई तकनीकों का ज्ञान और कौशल मिलेगा। पर्यटन संवर्धन ड्रोन का उपयोग राज्य की सांस्कृतिक धरोहर और प्राकृतिक सुंदरता को प्रदर्शित करने के लिए किया जाएगा, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इस प्रकार, नई ड्रोन नीति से मध्यप्रदेश को बहुआयामी लाभ प्राप्त होंगे, जिससे राज्य की समग्र प्रगति और विकास को अप्रत्याशित बढ़ावा मिलेगा।

वाटर विजन 2047 पर होगा मंथन

उदयपुर में 18-19 फरवरी को जुटेंगे देशभर के जल संसाधन मंत्री

सांध्य प्रकाश संवाददाता ●
भोपाल

उदयपुर राजस्थान में इसी महीने 18 और 19 फरवरी को देशभर के विभिन्न राज्यों के जलसंसाधन मंत्री साथ जुटेंगे। इस कॉन्फ्रेंस में वाटर विजन 2047 पर मंथन किया जाएगा। भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय जलसंसाधन नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग जल मिशन द्वारा यह आयोजन किया जा रहा है। जलसंसाधन मंत्री तुलसी सिलावट भी इस आयोजन में भाग लेंगे। विभाग के अधिकारी भी इस मंथन में साथ जाएंगे। अधीक्षण यंत्री प्रमुख अभियंता कार्यालय गरिमा अग्रवाल, जलसंसाधन विभाग के बांध सुरक्षा बोधि के संचालक पुष्पेंद्र सिंह और राजगढ़ में अतिरिक्त परियोजना संचालक एवं परियोजना प्रशासक एमकेपीएमयू विकास राजौरिया और अतिक्ति परियोजना संचालक एमकेपीएमयू शुभांकर विश्वास भी इस बैठक में जलसंसाधन मंत्री के साथ जाएंगे। विभिन्न राज्यों के जलसंसाधन मंत्रियों की इस द्वितीय ऑल इंडिया कांफ्रेस में सभी राज्यों में वाटर विजन 2047 को लेकर चर्चा होगी। राज्यों में सिचाई और पेयजल की क्या सुविधाएं इस समय उपलब्ध है। किन परियोजनाओं पर काम हो रहा है। नदी जोड़ो परियोजनाओं के जरिए कहां-कहां सिचाई की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। इस पर भी मंथन होगा। प्रदेश के बांधों, जलाशयों और नहरों का किस तरह विस्तार किया जा रहा है। 2047 तक जलप्रदाय के लिए क्या लक्ष्य बनाया गया है इस पर भी चर्चा की जाएगी। यदि केन्द्र से बजट की आवश्यकता है तो राज्यों के जलसंसाधन मंत्री अपनी मांग भी यहां पर रखेंगे। राज्यों के संसाधनों और केन्द्र के संसाधनों से क्या-क्या किया जाएगा इस पर चर्चा की जाएगी।

राज्य आनंद संस्थान और मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के बीच हुआ एमओयू

भोपाल। राज्य आनंद संस्थान और मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के बीच मैनिट परिसर में मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (समझौता ज्ञापन) किया गया। एमओयू के तहत दोनों पक्ष तीन वर्षों तक एक-दूसरे के सहयोगी के रूप में कार्य कर विभिन्न गतिविधियों का क्रियान्वयन करेंगे। दोनों संस्थान एक दूसरे के सहयोगी के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् में सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों पर आधारित कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के प्रस्तावों के अनुरूप विद्यार्थियों में मानवीय मूल्य संवर्धन के लिये अध्ययन/कार्यक्रमों का क्रियान्वयन करेंगे। दोनों पक्षों के प्राध्यापक/कर्मचारियों/विद्यार्थियों का क्षमतावर्धन कर उनके माध्यम से अपनी-अपनी योजनाओं की पहुँच समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुँचाने, प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों को नैतिकता, आत्म-चिंतन एवं सकारात्मक मानसिकता के विकास के लिये प्रशिक्षण एवं यथासंभव आवश्यक सहयोग प्रदान करने, प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों को स्वयंसेवी पहल के लिये एक सहयोग मंच प्रदान कर आनंद एवं इससे जुड़े कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ ज्ञान और संसाधन के प्रसार के लिये अन्य दीर्घकालिक मार्ग की खोज तथा सहयोग के बिन्दुओं को तलाशकर साझा रणनीति क्रियान्वयन का कार्य करेंगे। एमओयू अनुसार राज्य आनंद संस्थान, मैनिट के प्राध्यापकों के लिये प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। आनंद संस्थान संकाय विकास कार्यक्रम भी आयोजित करेगा ताकि प्राध्यापकों को स्वतंत्र रूप से सत्र का संचालन करने के लिये प्रशिक्षित किया जा सके। आनंद संस्थान सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों के पाठ्यक्रम निर्माण में मैनिट की सहायता करेगा।

आनंदमय जीवन के गुर सीख रहे खाद्य विभाग में अधिकारी

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के 64 अधिकारी/कर्मचारी आनंदित जीवन के रहस्य सीखने के लिए 29 से 31 जनवरी तक एनआईटीटीआर भोपाल शामिल हुए। आनंद संस्थान के मास्टर ट्रेनर्स ने जीवन का लेखा-जोखा, संपर्क सुधार, दिशा, रिश्तों की गहराई और पावर ऑफ साइलेंस जैसे प्रभावी टूल्स के माध्यम से सुखी और संतुलित जीवन जीने के गुर सिखाए। कार्यक्रम के समापन सत्र में संयुक्त नियंत्रक के.एस. चौहान, आनंद संस्थान के सीईओ आशीष कुमार, निदेशक प्रवीण गंगराड़े और सत्यप्रकाश आर्य उपस्थिति रहे। विशेषज्ञों की टीम, जिसमें डॉ. सुधीर आचार्य, हितेंद्र बुडोलिया, प्रेमांजलि त्रिवेदी, आशा असाटी, लखन लाल असाटी और प्रदीप महतो ने प्रतिभागियों को प्रेरणादायक और व्यावहारिक सीख जानकारी दी। विशेष प्रशिक्षण न केवल अधिकारियों के व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन को संतुलित करने में मदद करेगा, बल्कि सकारात्मक सोच और आनंदित रहने की कला को भी बढ़ावा देगा।

जनसुनवाई में कलेक्टर सख्त, 50 लाख का मुआवजा कुछ घंटों में खाते में जमा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

प्रदेश के जिलों में हर मंगलवार को होने वाली कलेक्टर जनसुनवाई के बारे में आम धारणा है कि इसमें जनता की समस्याओं को उस तरह हल नहीं किया जाता, जो जनसुनवाई का मूल मंतव्य है। लेकिन, भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने इस मंगलवार को जो किया वह मिसाल बन गया। उन्होंने कई दिनों से परेशान एक बुजुर्ग व्यक्ति का 50 लाख का मुआवजा कुछ घंटे में उसे दिला दिया। इस पीड़ित व्यक्ति की जमीन का सड़क निर्माण में अधिग्रहण किया गया था। लेकिन, उसका मुआवजा दिए जाने में अधिकारी बहानेबाजी कर रहे थे। परेशान व्यक्ति ने मंगलवार की जनसुनवाई में कलेक्टर के सामने अपनी पीड़ा बताई। कलेक्टर ने भी उसकी शिकायत को वाजिब समझा और शाम तक अधिकारियों को उसका निराकरण करने का निर्देश दिया। इसका असर यह हुआ कि शाम को उस व्यक्ति को ?50.40 लाख का मुआवजा उसके खाते में जमा कर दिया गया।

मामले के अनुसार, राजधानी के आशिमा मॉल से कटारा हिल्स तक बनाई गई 80 फीट रोड के निर्माण में बागमुगालिया के श्याम बौहरे की जमीन भी अधिग्रहित की गई थी। कोर्ट ने सालभर पहले उसे मुआवजा देने का आदेश दिया। लेकिन, अभी तक भुगतान नहीं हुआ। मंगलवार को जनसुनवाई में उन्होंने यह मामला कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के सामने रखा और अपनी पीड़ा बताई।

कलेक्टर ने सारा मामला समझकर अधिकारियों पर नाराजगी जताई और प्रभावित व्यक्ति को तत्काल भुगतान करने के निर्देश दिए। इसके बाद सीपीए और पंजीयन विभाग के अधिकारियों ने मोर्चा संभाला और सारी कागजी कार्रवाई पूरी करके शाम तक ?50.40 लाख रुपए उनके खाते में ट्रांसफर किए। जानकारी के मुताबिक, इस सड़क निर्माण में 7 लोगों की जमीन अधिग्रहित की गई थी। कोर्ट के आदेश पर छह लोगों को उनकी जमीन का मुआवजा मिल चुका, लेकिन श्याम बौहरे छह महीने से रजिस्ट्री और भुगतान के लिए चक्कर काट रहे थे। कलेक्टर ने सीपीए के अधिकारियों को और पंजीयन विभाग के सब रजिस्ट्रार को बुलवाकर पूछा कि बुजुर्ग को बार-बार क्यों आना पड़ रहा है?

सिंगाजी ताप विद्युत गृह की इकाई नंबर तीन ने बनाया नया रिकार्ड

एक दिन में किया 158.3 लाख यूनिट विद्युत का उत्पादन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के सिंगाजी ताप विद्युत गृह दोंगलिया (खंडवा) की 660 मेगावाट की इकाई नंबर 3 ने अपनी स्थापना के बाद सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए दैनिक विद्युत उत्पादन का नया रिकार्ड बनाया है। इकाई नंबर 3 ने गत दिवस 158.3 लाख यूनिट विद्युत उत्पादन किया। इस दौरान यूनिट का प्लांट लोड फेक्टर (पीएलएफ) 99.94 फीसदी रहा। इससे पूर्व इस इकाई द्वारा 24 नवम्बर 2018 को 158.14 लाख यूनिट दैनिक विद्युत उत्पादन किया गया था। यूनिट नंबर 3 ने कमीशनिंग के 6वें दिन ही दैनिक उत्पादन का रिकार्ड बनाया था। श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह की वर्तमान विद्युत उत्पादन क्षमता 2520 मेगावाट है। यहां पहली एवं दूसरी इकाई 600-600 मेगावाट और तीसरी व चौथी इकाई 660-660 मेगावाट की हैं। दैनिक विद्युत उत्पादन का नया रिकार्ड बनाने वाली इकाई नंबर 3 की कमीशनिंग 18 नवम्बर 2018 को हुई थी। इस यूनिट ने अपनी कमीशनिंग के 6वें दिन 24 नवम्बर 2018 को 158.14 लाख यूनिट दैनिक बिजली उत्पादन किया था। जो अब तक का सर्वाधिक दैनिक विद्युत उत्पादन था। यह रिकार्ड गत दिवस 3 फरवरी को उस समय टूटा जब इस यूनिट ने एक दिन में 158.3 लाख यूनिट बिजली उत्पादन कर दिया।

तीन क्षेत्रों से मिलता है कोयला

श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह को डब्ल्यूसीएल, एसईसीएल और एनसीएल से कोयले की प्राप्ति होती है। विद्युत गृह में उत्पादित होने वाली विद्युत की निकासी 400 केवी एवं 220 केवी पीथमपुर और छैगांव पारेषण लाइनों से होती है।

ऊर्जा मंत्री ने दी बधाई

श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह के यूनिट नंबर 3 के अभियंताओं और कार्मिकों को नया दैनिक विद्युत उत्पादन का रिकार्ड कायम करने के लिए ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री नीरज मंडलोई एवं कंपनी के प्रबंध संचालक श्री मनजीत सिंह ने बधाई दी।

एनसीसी और एनएसएस से मिल रही चरित्र निर्माण से राष्ट्र निर्माण की शिक्षा: राज्यपाल

राज्यपाल ने गणतंत्र दिवस के राष्ट्रीय समारोह के प्रतिभागियों का किया सम्मान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि नई पीढ़ी एन.सी.सी. और एन.एस.एस. का हिस्सा जरूर बने। इससे चरित्र निर्माण से राष्ट्र निर्माण के संस्कारों पर आधारित शिक्षा मिलती है। व्यक्ति में राष्ट्र सेवा के प्रति संकल्प और समर्पण की भावना पैदा करती है। राज्यपाल पटेल एन.सी.सी. और एन.एस.एस. के एट होम कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। राजभवन के सांदीपनि सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उच्च शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन भी मौजूद रहे।

राज्यपाल पटेल ने गणतंत्र दिवस की राष्ट्रीय परेड में शामिल हुए एन.सी.सी. कैडेट्स और एन.एस.एस. के स्वयं सेवकों को दिल्ली के कर्तव्य पथ पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने की बधाई दी। उन्होंने विभिन्न श्रेणियों के उत्कृष्ट प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया। राज्यपाल पटेल ने कहा कि वर्तमान समय युवाओं के लिए सुनहरे भविष्य की असीम संभावनाओं से भरा है। जरूरत एकीकृत, एकजुट, एकमत और एकता के साथ समाज तथा राष्ट्र के लिए कार्य करने एवं देश की समकालीन संस्कृति और सभ्यता के विभिन्न पहलुओं में हो रहे, सुखद बदलावों को समझते हुए प्रेरणा प्राप्त करने की है।

राज्यपाल पटेल ने कहा कि एन.सी.सी. का मूल उद्देश्य, युवाओं में राष्ट्र के प्रति समर्पण, त्याग और अनुशासन में रहते हुए एकता की भावना का विकास करना है। इसी प्रकार एन.एस.एस. समाज सेवा से राष्ट्र निर्माण पर आधारित गतिविधियों से विद्यार्थियों का चरित्र निर्माण कर जिम्मेदार नागरिक बनाने की सराहनीय योजना है। उन्होंने कहा कि युवा ही हमारे देश की गौरवशाली संस्कृति, इतिहास और सभ्यता से भावी पीढ़ी को जोड़ने वाले सूत्रधार बन सकते हैं। युवाओं को संवेदनशीलता के साथ समाज के गरीब, वंचित, महिला, बुजुर्ग और दिव्यांगजनों का साहस और संबल बनकर उनके सशक्तिकरण में सहयोग करना चाहिए।

राज्यपाल पटेल का एनसीसी मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ निदेशालय के ए.डी.जी. मेजर जनरल विक्रांत एम. धुमने और एन.एस.एस. के राज्य अधिकारी डॉ. मनोज अग्निहोत्री ने पुष्प-गुच्छ भेंट कर स्वागत और स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया। राज्यपाल पटेल के समक्ष एन.सी.सी. और एन.एस.एस. के प्रतिभागियों ने सामूहिक देशभक्ति गायन, गौरवशाली भारतीय संस्कृति पर आधारित समूह नृत्य और नाटिका प्रस्तुत की। स्वागत उद्बोधन ए.डी.जी. मेजर जनरल धुमने ने दिया। आभार मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ एन.एस.एस. के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अशोक कुमार श्रोती ने माना। कार्यक्रम में राज्यपाल के अपर सचिव उमाशंकर भार्गव, एन.सी.सी. के ग्रुप कमान्डर ब्रिगेडियर अजीत सिंह, एन.एस.एस. और एन.सी.सी. के प्रतिभागी और उनके अभिभावक गण उपस्थित थे।

देश में अब परमाणु ऊर्जा पर रहेगा ध्यान

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को बजट में वर्ष 2047 तक कम से कम 100 गीगावॉट परमाणु ऊर्जा उत्पादन क्षमता हासिल करने की घोषणा की है। वित्त मंत्री ने बजट भाषण में कहा कि देश में 'स्वच्छ ऊर्जा की तरफ कदम बढ़ाने के लिए यह आवश्यक' है। यह लक्ष्य हासिल करने के लिए परमाणु ऊर्जा मिशन के नाम से एक खास पहल की जाएगी जिसके लिए सरकार 20,000 करोड़ रुपये का प्रावधान करेगी। देर से ही सही मगर सरकार ने यह महसूस किया है कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए देश के ऊर्जा स्रोतों में तत्काल विविधता लाने की जरूरत है। शहरीकरण की प्रक्रिया तेज होने, ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युतीकरण के गति पकड़ने और गर्मी में तापमान अत्यधिक बढ़ने से पिछले एक दशक के दौरान देश में बिजली की मांग खासी बढ़ गई है। फिलहाल देश में बिजली की कुल मांग का 89 प्रतिशत हिस्सा जीवाश्म ईंधन से आ रहा है। ऊर्जा के दूसरे वैकल्पिक स्रोतों जैसे सौर और पवन ऊर्जा की राह में तकनीकी एवं मूल्य नीतियों से जुड़ी बाधाएं सामने आ रही हैं। बजट में घोषित इस मिशन के अंतर्गत 2033 तक पांच छोटे आकार के मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) का परिचालन शुरू करने का लक्ष्य तय किया गया है। ये सभी उच्च क्षमता वाले रिएक्टर होंगे जिनकी बिजली उत्पादन क्षमता 300 मेगावॉट (ई) प्रति यूनिट या परंपरागत परमाणु बिजली संयंत्रों की उत्पादन क्षमता की एक तिहाई होगी। पिछले महीने अमेरिका ने भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र और इंडियन रेअर अर्थ्स लिमिटेड पर लगी पाबंदियां हटा दी थीं। भारत अमेरिका के इस कदम का तेजी से लाभ उठाना चाहता है।

भारत में वर्ष 2024 में 8.18 गीगावॉट परमाणु ऊर्जा का उत्पादन हुआ था जो वर्ष 2014 में दर्ज 4.78 गीगावॉट उत्पादन के दोगुने से थोड़ा ही अधिक था। अगले 22 वर्षों में 100 गीगावॉट परमाणु ऊर्जा का उत्पादन एक चुनौतीपूर्ण लक्ष्य है। सरकार एसएमआर में निजी क्षेत्र से निवेश पर निर्भर दिखाई दे रही है। निजी क्षेत्र पर निर्भरता इस बात से भी झलकती है कि सरकार नियंत्रित भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के लिए रकम का आवंटन वित्त वर्ष 2025-26 में 472 करोड़ रुपये घटा दिया गया है। सरकार ने परमाणु ऊर्जा विभाग का बजट भी 402 करोड़ रुपये कम कर दिया है। निजी क्षेत्र से निवेश स्वीकार करने की तत्परता दिखाने के लिए वित्त मंत्री ने घोषणा की है कि सरकार परमाणु ऊर्जा अधिनियम और परमाणु क्षति के लिए नागरिक उत्तरदायित्व अधिनियम (सीएलएनडीए) में संशोधन करेगी। पहले कानून में संशोधन के बाद भारत में परमाणु ऊर्जा उत्पादन में एनपीसीआईएल का बोलबाला खत्म हो जाएगा। संभव है कि सरकार उस शर्त का समाधान निकालने की कोशिश करेगी जिससे भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौते के बाद दुनिया में निजी क्षेत्र की परमाणु ऊर्जा कंपनियां निवेश के लिए आगे नहीं आ रही हैं। इस समझौते के अंतर्गत किसी परमाणु दुर्घटना से हुए नुकसान की सूरत में आपूर्तिकर्ताओं और परिचालनकर्ताओं की जवाबदेही तय की गई थी। एसएमआर तकनीक अपेक्षाकृत नई जरूर है मगर भारत छोटे रिएक्टर तैयार करने और इनका परिचालन करने में अपनी क्षमता की बखूबी नुमाइश कर चुका है। देश में स्थानीय स्तर पर तैयार एवं परिचालन करने वाले 22 परमाणु रिएक्टरों में से ज्यादातर की क्षमता रेटिंग 220 मेगावॉट (ई) है। भारत को परमाणु ऊर्जा से संचालित अपनी पनडुब्बी के लिए 85 एमडब्ल्यूई संयंत्र तैयार करने का भी अनुभव है। परमाणु ऊर्जा विभाग के अंतर्गत डिजाइन टीम एक मॉड्यूलर संयंत्र प्रक्रिया में देश के इस अनुभव का लाभ उठाने में जुटा हुई है। इससे निजी क्षेत्र की इकाइयों के साथ तकनीक साझा करने की संभावनाएं मजबूत हो रही हैं। रिएक्टर तेजी से स्थापित करने, लागत में कमी, सुरक्षा चाक-चौबंद रखने की ताकत और रिएक्टरों की स्थापना में लचीलापन जैसी खूबियां होने के बावजूद कई दूसरी तरह की बाधाएं एसएमआर से जुड़ी भारत की महत्त्वाकांक्षाओं की राह में अवरोध पैदा कर सकती हैं। इन बाधाओं में लाइसेंस देने की मौजूदा व्यवस्था और ग्रिड-पावर प्राइसिंग का पुराना झमेला भी शामिल हैं। ग्रिड-पावर प्राइसिंग की दिक्कत तीन दशकों से अधिक समय से बिजली उत्पादन इकाइयों को चोट पहुंचा रही है। अधिकांश विश्लेषकों को लगता है कि अगले 22 वर्षों में 100 गीगावॉट परमाणु बिजली क्षमता के विकास उत्पादन का लक्ष्य हासिल करना कठिन होगा।

ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में मोदी के साथ अच्छे संबंध की संभावना

उच्च टैरिफ,अप्रवासन और संरक्षणवाद पर ट्रम्प के आक्रामक रुख से दुनिया भले ही आशंकित हो लेकिन जल्द ही ट्रम्प की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की संभावनाएं दोनों देशों के बीच मजबूत सम्बन्धों का संदेश दे रही है। दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संबंध दोस्ताना और मजबूत माने जाते हैं। दोनों नेताओं ने कई बार सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे की प्रशंसा की है और भारत-अमेरिका संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की कोशिश की है। मोदी और ट्रंप के संबंध व्यक्तिगत और राजनयिक स्तर पर मजबूत रहे हैं।

डॉ. बहमदीप अलूने

व्यापार और अप्रवासन जैसे मुद्दों पर कुछ मतभेद भी रहे,लेकिन रक्षा,रणनीतिक साझेदारी और चीन विरोधी नीतियों में दोनों का रुख समान माना जाता है। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में भी मोदी के साथ उनके अच्छे संबंध बने रहने की संभावना है। ट्रम्प की मोदी से मुलाकात ऐसे समय तय हुई है जब ट्रम्प ने कनाडा और मैक्सिकों को लेकर कड़ा रुख अपनाया है वहीं चीन को लेकर भी उनके इरादें सख्त है। व्यापार को लेकर वे भारत से सहज नहीं है और यहीं भारत के लिए चुनौती माना जा रहा था। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और ट्रम्प में आपसी मजबूत संबंधों के कारण ट्रम्प भारत को लेकर कोई कड़ा रुख अपनाएं,इसकी संभावनाएं कम ही है।गौरतलब है की पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका ने भारत को रणनीतिक रक्षा सहयोगी माना है,कई रक्षा सौदों पर हस्ताक्षर किए है जिस कारण भारत ने अमेरिकी हथियार और रक्षा उपकरण खरीदे है।

ट्रम्प न केवल अपने देश के राष्ट्रपति है बल्कि वे एक अच्छे व्यापारी भी है। जाहिर है रक्षा क्षेत्र में दोनों देशों के बीच हथियारों,तकनीकी सहयोग और उन्नत सैन्य उपकरणों के निर्यात में वृद्धि हो सकती है। ट्रम्प भारत को बेहद अहम रणनीतिक भागीदार समझते है और उनके कार्यकाल में ही एशिया प्रशांत को हिन्द प्रशांत कहा गया था। ट्रंप चीन के खिलाफ आक्रामक रहे है।उन्होंने चीन के खिलाफ टैरिफ बढ़ाने का ऐलान कर सख्त संदेश दे दिया है।ट्रंप चीन पर दबाव बढ़ाने के लिए क्वाड को एक मजबूत सामरिक संगठन मानते है।यह भारत की इंडो पैसिफिक रणनीति के लिए बेहद जरूरी है। अमेरिका को चिंता है कि चीन अपनी सैन्य शक्ति बढ़ाकर इंडो पैसिफिक क्षेत्र में दबदबा बना रहा है। अमेरिका के लिए चीन के मुकाबले भारत एक बेहतर रणनीतिक और आर्थिक विकल्प बन सकता है। हाल के वर्षों में अमेरिका ने भारत के साथ अपने संबंधों को मजबूत किया है और चीन पर निर्भरता कम करने की दिशा में कदम उठाए हैं।

चीन के दक्षिण चीन सागर में आक्रामक रवैये को अमेरिका अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन मानता है। वहीं भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और बाजार आधारित अर्थव्यवस्था अमेरिका के लिए अधिक विश्वसनीय है।

ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में भारत और अमेरिका के बीच रक्षा,प्रौद्योगिकी और ऊर्जा क्षेत्रों में संबंधों में मजबूती की उम्मीद बढ़ गई है। अमेरिका और भारत के बीच रक्षा सौदे और सैन्य अभ्यास बढ़े हैं। अमेरिका और भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस,सेमीकंडक्टर्स और साइबर सुरक्षा में सहयोग बढ़ा रहे हैं।भारत को अपने रक्षा प्रौद्योगिक कार्यक्रमों में तेजी लाना चाहता है और अमेरिका से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की इच्छा जता चूका है,इसे लेकर अभी जटिलताएं है। भारत अमेरिका से रक्षा सहयोग तो बढ़ा रहा है लेकिन उसकी अपनी चिंताएं है। भारत का मानना है कि कुछ विशेष क्षेत्रों में प्रगति हासिल करने के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण का लाभ नहीं उठाया जाता है,तो एक देश तक़नीकी ज़रूरतों के लिए दूसरे देशों पर हमेशा के लिए निर्भर हो जाएगा,जहां हर बार भारी भुगतान करना होगा। इस संबंध में भारत ने एक नया दृष्टिकोण अपनाया है,जो रक्षा सौदों में प्रौद्योगिक हस्तांतरण की प्राथमिकता पर आधारित है। भारत के सैन्य आधुनिकीकरण के लिए यह बेहद जरूरी है और इस बार की पूरी संभावनाएं है कि ट्रम्प की प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर चर्चा हो सकती है।

ट्रम्प प्रशासन ऊर्जा क्षेत्र में भारत के साथ निर्यात बढ़ाने की उम्मीद कर रहा है।अमेरिका से भारत को कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के निर्यात में लगातार वृद्धि हो रही है।ख़ास तौर से अमेरिका में शेल गैस और तेल की खोज के बाद वहां मिले नए भंडारों और अमेरिका से तेल और गैस के निर्यात पर चार दशकों से लगे प्रतिबंधों को हटाने के बाद इसमें निरंतर इजाफा हो रहा है।ट्रम्प इसे और बढ़ाने को लेकर भारत से कोई समझौता कर सकते है जिससे अमेरिका भारत के साथ अपना व्यापारिक घाटा भरने में काफ़ी हद तक सफ़लता हासिल कर लें।इससे भारत की ऊर्जा सम्बन्धी चुनौतियों का समाधान करने में भी मदद मिल सकती है।

इन सबके बीच ट्रम्प की अमेरिकन फर्स्ट नीतियां वीजा को लेकर भारतीयों की समस्या बढ़ा सकती है।ट्रम्प अपने पहले कार्यकाल में वीजा नीतियों को सख्त कर चूके थे। यदि वे ऐसा फिर करते है तो इससे भारतीय आईटी पेशेवरों और स्टार्टअप्स पर असर पड़ सकता है।ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल में भारतीय उत्पादों स्टील और एल्युमीनियम पर अतिरिक्त शुल्क लगाया था जिससे भारतीय निर्यातकों को कठिनाई हुई थी। ट्रम्प अब भारतीय वस्तुओं पर और अधिक शुल्क न लगाएं,इसे लेकर सावधान रहना होगा।ट्रम्प संरक्षणवादी नीतियों के जरिए भारतीय कंपनियों से आयात कम कर सकते है,इससे टेक, फार्मा, ऑटोमोबाइल और टेक्सटाइल सेक्टर मेंभारतीय निर्यातकों को नुकसान हो सकता है।ट्रम्प ने पहले एच-1बी वीजा नियमों को सख्त किया था,अब भारतअमेरिका आईटी व्यापार संबंधों को देखते हुए इसमें कुछ ढील दी जा सकती है।भारतीय फार्मा कंपनियों को अमेरिकी बाजार में अधिक अवसर मिल सकते हैं।

पुस्तक-महाकुंभ से एक नये दौर का सूत्रपात

देश में दो महाकुंभ चल रहे हैं, एएक प्रयागराज में सनातन धर्म का महाकुंभ तो दूसरा दिल्ली में पुस्तकों का महाकुंभ। 1 फरवरी से 9 फरवरी 2025 तक प्रगति मैदान के भारत मंडपम में पाठकों, लेखकों और प्रकाशकों एक भव्य महा-उत्सव जो पांच दशकों की समृद्ध विरासत के साथ, साहित्य, संस्कृति और ज्ञान का जीवंत संगम बना हुआ है। इस वर्ष के पुस्तक मेले की मुख्य थीम 'रिपब्लिक श्च 75' है, जो भारतीय संविधान के 75 वर्षों के जश्न पर एक मजबूत भारत की परिकल्पना, राष्ट्र-निर्माण में प्रगति, और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य पर केन्द्रित है। पुस्तक मेले का एक मुख्य आकर्षण बच्चों का मंडप है, जिसका उद्देश्य बच्चों के साहित्य को बढ़ावा देना और युवाओं में पढ़ने की आदत विकसित करना है।

ललित गर्ग

पुस्तक मेला केवल किताबों तक सीमित नहीं है; यह सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का भी एक मंच है। मेले में आयोजित नाट्य, संगीत, लोक कला और परंपरागत प्रस्तुतियाँ इसे एक समग्र अनुभव और वैश्विक दृष्टिकोण के संवाद का अवसर प्रदान कर रही है। इस अवसर पर विभिन्न देशों के साहित्यिक प्रतिनिधिमंडल की सहभागिता हो रही है, जो अपने सांस्कृतिक मूल्यों, परंपराओं और साहित्यिक दृष्टिकोण को साझा कर रहे हैं। आज डिजिटलीकरण और कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) के दौर में भले ही पुस्तकों की उपादेयता एवं अस्तित्व पर प्रश्नचिन्ह टंग रहे हो, लेकिन ऐसे अनूठे एवं विलक्षण पुस्तक मेले पुस्तकों की उपयोगिता, प्रासंगिकता एवं महत्व को नये पंख भी दे रहे हैं।

पुस्तक मेलों की परंपरा भारत और विश्व में सैकड़ों वर्षों से चली आ रही है। प्राचीन भारत में भी पांडुलिपियों के आदान-प्रदान और साहित्यिक संवाद की परंपरा थी। आधुनिक युग में, पुस्तक मेले का आयोजन पहली बार यूरोप में 15वीं शताब्दी में हुआ। गुटेनबर्ग द्वारा मुद्रण तकनीक के आविष्कार के बाद पुस्तकों का वितरण तेज़ी से बढ़ा और इसने पुस्तक मेलों के आयोजन को प्रेरित किया। भारत में पुस्तक मेलों की आधुनिक परंपरा 1970 के दशक में प्रारंभ हुई, जब नेशनल बुक ट्रस्ट ने दिल्ली में पहले विश्व पुस्तक मेले का आयोजन किया। ये मेले न केवल साहित्यिक संवाद का माध्यम बने हैं, बल्कि विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों को जोड़ने का एक सशक्त मंच बनकर शब्द, विचार तथा भावनाओं को जीवंत किया हैं। ये केवल पुस्तकों की खरीद-बिक्री का स्थान नहीं, बल्कि भाषाई और साहित्यिक विविधता को प्रोत्साहित करते हुए समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाकर उनके विचारों को साझा करने का अवसर भी प्रदान करते हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि पुस्तक मेले न केवल साहित्यिक चेतना को सजीव करते हैं, बल्कि गहरी सांस्कृतिक चेतना का पोषण भी करते हैं।

विश्व पुस्तक मेला न केवल पुस्तकों का उत्सव है, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक धरोहर, साहित्यिक समृद्धि और विविधता का उत्सव मनाने के साथ पुस्तक-संस्कृति को सजीव बनाने का अवसर भी है। इंसान की ज़िंदगी में विचारों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान है। वैचारिक क्रांति एवं विचारों की जंग में पुस्तकें सबसे बड़ा हथियार है। जिसके लिए न तो कोई लाइसेंस लेना है, न ही इसके लिए किसी नियम-क़ायदे से गुज़रना है, लेकिन यह हथियार जिसके पास हैं, वह ज़िंदगी की जंग हारेगा नहीं। जब लड़ाई वैचारिक हो तो किताबें हथियार का काम करती हैं। किताबों का इतिहास शानदार और परम्परा भव्य रही है। पुस्तकें मनुष्य की सच्ची मार्गदर्शक हैं। पुस्तकें सिर्फ जानकारी और मनोरंजन ही नहीं देती बल्कि हमारे दिमाग को चुस्त-दुरुस्त रखती हैं। समाज में पुस्तकें पुन: अपने सम्मानजनक स्थान पर प्रतिष्ठित हो, इसके लिये ऐसे मेले मील का पत्थर है।

पुस्तकें वैचारिक जंग के साथ-साथ जीवन-जंग को जीतने का सक्षम आधार है। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने पुस्तकों के महत्व पर लिखा है कि तोप, तीर, तलवार में जो शक्ति नहीं होती, वह शक्ति पुस्तकों में रहती है। तलवार आदि के बल पर तो हम केवल दूसरों का शरीर ही जीत सकते हैं, किंतु मन को नहीं। लेकिन पुस्तकों की शक्ति के बल पर हम दूसरों के मन और हृदय को जीत सकते हैं। ऐसी जीत ही सच्ची और स्थायी हुआ करती है, केवल शरीर की जीत नहीं! वस्तुत: पुस्तकें सचमुच हमारी मित्र हैं। वे अपना अमृतकोश सदा हम पर न्यौछावर करने को तैयार रहती हैं। उनमें छिपी अनुभव की बातें हमारा मार्गदर्शन करती हैं। हमारे मन में उठ रहे सवालों का जवाब पाने के लिए पुस्तकों से बेहतर ज़रिया कोई भी नहीं। तब भी जब हमारे आस-पास कोई नहीं है, हम अकेले हैं, उदास हैं, परेशान हैं, किताबें हमारी सच्ची दोस्त बनकर हमें सहारा देती हैं। पुस्तकों का महत्व एवं क्षेत्र सार्वकालिक, सार्वभौमिक एवं सार्वदैशिक है। जहां तक जीवन की पहुंच है, वहां तक पुस्तकों का क्षेत्र है। पुस्तकों की यही कसौटी बताई गयी है कि वे जीवन से उत्पन्न होकर सीधे मानव जीवन को प्रभावित करती है। दो और दो चार होते हैं, यह चिर सत्य है पर साहित्य नहीं है क्योंकि जो मनोवेग तरंगित नहीं करता, परिवर्तन एवं कुछ कर गुजरने की शक्ति नहीं देता, वह साहित्य नहीं हो सकता अत: अभिव्यक्ति जहां आनन्द एवं जीवन ऊर्जा का स्रोत बन जाए, वहीं वह साहित्य है। पुस्तकें पढ़ना विचार सुनने या भाषणों से बेहतर हैं।

रेडियो पर अपने मन की बात के जरिये प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी ने हिन्दी के अमर कथाकार मुंशी प्रेमचन्द का उल्लेख करते हुए लोगों से अपने दैनिक जीवन में किताबें पढ़ने की आदत डालने का आह्वान किया था। साथ ही उपहार में 'बुके नहीं बुक' यानी किताब देने की बात कही। पुस्तक-संस्कृति को जनजीवन में प्रतिष्ठापित करने की दृष्टि से उनकी यह एक नयी प्रेरणा है, झकझोरने एवं सार्थक दिशाओं की ओर अग्रसर करने की मुहिम है।

महाकुंभ: लाख कोशिशों के बावजूद सर चढ़कर बोली गंगा यमुनी तहज़ीब

निर्मल रानी

2025 का बहुप्रतीक्षित महाकुंभ समापन की ओर है। 26 फ़रवरी अर्थात महाशिवरात्रि को अंतिम शाही स्नान के साथ ही कुंभ मेले का समापन हो जायेगा। इस बार का महाकुंभ कई बातों को लेकर पूर्व में आयोजित हो चुके कुंभ,अर्द्धकुंभ अथवा महाकुंभों से अलग था। इस बार के विशाल आयोजन को हाई टेक बनाने की जैसी कोशिश इस बार हुई वह पहले कभी देखी नहीं गयी। संगम तट के किनारे अति विशिष्ट व्यक्तियों के लिये टैंट के वी आई पी नगर बसाये गए।

इनमें महाराज टेंट सिटी में एक कमरे का एक दिन का किराया औसतन ?30000 था जबकि डोम सिटी में किराया 1 लख रुपए के आसपास था। क़रीब 3000 स्पेशल ट्रेन और बड़े शहरों से विमान उड़ानों की सुविधा रखी गयी। इतने बड़े आयोजन में छोटे बड़े हादसों की संभावना भी बनी रहती है। महाकुंभ 2025 भी इससे अछूता नहीं रहा। सुरक्षा के तमाम प्रयासों के बावजूद कुंभ मेले में अग्निकांड व भगदड़ जैसी संभावित घटनाओं को आख़िरकार नहीं टाला जा सका।

परन्तु बड़े ही दु:ख का विषय है कि इस बार का महाकुंभ जहाँ सत्ता के गुणगान व पी आर पर केंद्रित रहा वहीँ इस बार इसमें भाग ले रहे अनेक प्रमुख लोगों ने इस पवित्र आयोजन को साम्प्रदायिकता फैलाने व समाज में ज़हर बोने का माध्यम बनाने की भी कोशिश की। ख़ासतौर पर इस आयोजन के एक वर्ष पूर्व से ही कुछ नये नवेले विवादित कथावाचकों द्वारा कुछ स्वयंभू संतों के साथ यह राग छेड़ा गया कि कुंभ आयोजन में मुसलमानों का व्यवसाय करना प्रतिबंधित हो। कई

लोगों ने तो मुसलमानों के मेला क्षेत्र में प्रवेश वर्जित करने तक की बात की। परन्तु सूर्यकांत त्रिपाठी निराला,मोतीलाल,जवाहरलाल नेहरू,अकबर इलाहाबादी, हरिवंश राय बच्चन, सुभद्रा कुमारी चौहान, सुमित्रानंदन पंत, हरिप्रसाद चौरसिया,फ़िराक़ गोरखपुरी व महादेवी वर्मा जैसी अनेक महान हस्तियों की जन्म व कर्मस्थली रही इस संगम नगरी को शायद यह हरगिज़ गवारा नहीं था कि दुनिया को प्रेम सद्भाव व साम्प्रदायिक एकता का पाठ पढ़ाने वाले तथा देश की गंगा यमुनी तहज़ीब का केंद्र समझे जाने वाले इस पवित्र प्रयागराज नगरी से साम्प्रदायिक दुर्भावना नफ़रत या वैमनस्य का कोई सन्देश जाये।

महाकुंभ के दौरान सत्ता संरक्षित इन साम्प्रदायिकता वादियों ने देश की एकता व सद्भाव को छिन्न भिन्न करने के लिये क्या कुछ नहीं किया ? देश के अनेकानेक अतिवादी नेताओं व प्रवचन कर्ताओं ने अपने भाषणों में जमकर धर्म विशेष के विरुद्ध विषवमन किया। हद तो यह है कि इस मेले में धारदार व नुकीले हथियार तक मुफ़्त बांटे गये। मीडिया व सोशल मीडिया पर तथा सत्ता के आई टी सेल द्वारा ऐसे नफ़रती क्लिप्स को जमकर प्रसारित किया गया। प्रयाग का मुसलमान भी बाहर से आने वाले नफ़रती चिंटुओं के नफ़रती भाषणों को सुनता व सहन करता रहा। परन्तु जब इसी महाकुंभ में 28 जनवरी की देर रात्रि लगभग डेढ़ बजे भगदड़ मची और उसके कुछ देर बाद कथित तौर पर संगम तट पर ही दूसरी जगह भगदड़ मची उसके पश्चात् इलाहाबाद शहर ने जो भयावह दृश्य देखे वह कुंभ के इतिहास में पहले कभी नहीं देखे गये। देश से आये करोड़ों श्रद्धालु जब अनजान शहर की गलियों में व सड़कों पर असहाय अवस्था में भयंकर सर्द रात में भगदड़ की दहशत से परेशान होकर अपनी जान बचाने के लिये पनाह मांगते फिर रहे थे।जब वे भूख प्यास से तड़प रहे थे ,अपनी इज़्ज़त आबरू जान माल बचाने की कोशिश में इधर उधर भटक रहे थे। उस समय यही विश्वविख्यात महाकुंभ साम्प्रदायिक एकता व सद्भाव का अपना अलग इतिहास लिख रहा था।

उस संकटकालीन दौर में सरकार की कोशिश थी कि मृतकों की संख्या को कम से कम कर बताया जाये। भगदड़ के शुरूआती घंटों की सरकारी क़वायद इसी प्रबंधन में व्यस्त रही। जबकि %सरकारी तोते% रुपी प्रवचनकर्ता यह कहते सुने गये कि भगदड़ में गंगा किनारे मरने वालों को मोक्ष प्राप्त हो गया। परन्तु उसी समय इलाहाबाद के मुसलमानों ने धरातल पर उतारकर वह कर दिखाया जिससे नफ़रत के सौदागरों की सारी कोशिशों पर पानी फिर गया। इलाहाबाद के भगदड़ प्रभावित क्षेत्र की सभी मस्जिदें,जामा मस्जिदें,इमामबाड़े,दरगाहें व मदरसे तथा यादगार ए हुसैनी जैसे कई मुस्लिम शैक्षणिक संस्थानों के दरवाज़े पूरी तरह खोल दिए गये। हज़ारों स्थानीय मुसलमानों ने परदेसी श्रद्धालुओं को अपने अपने घरों में पनाह दी। उन्हें नाश्ता,भोजन,गर्म कपड़ा,कंबल, दवाई आदि सब कुछ उपलब्ध कराया। सैकड़ों जगहों पर मुसलमानों द्वारा सार्वजनिक लंगर लगाये गए। और लगभग एक सप्ताह तक देश भर के परेशान हाल श्रद्धालुओं की कुंभ नगरी के स्थानीय मुसलमानों द्वारा दिल खोलकर मेहमाननवाज़ी की गयी। इसी तरह गत दिसंबर में जब श्रीनगर-सोनमर्ग राजमार्ग में भारी बर्फ़बारी के कारण हज़ारों पर्यटक कश्मीर घाटी में फँस गए थे उस समय भी कश्मीर के मुसलमानों ने मस्जिदों व मदरसों के दरवाज़े खोल दिए थे । उन्हें अपने घरों में पनाह देकर खाना गर्म पानी आदि सब कुछ मुहैय्या कराया था। देश में ऐसे और भी हज़ारों उदाहरण हैं जो हमारी सांझी तहज़ीब व संस्कृति का सुबूत पेश करते हैं।

इस बार के महाकुंभ का जितना राजनैतिक दुरूपयोग करने की कोशिश की गयी और सनातन रक्षा के नाम पर धर्म विशेष को डराने धमकाने व इसी की आड़ में सत्ता में बने रहने के लिये अपने वोट बैंक को मज़बूत करने का जो दुष्प्रयास किया गया उसे किसी %धार्मिक आयोजन % के नज़रिये से कैसे देखा जा सकता है ? परन्तु स्थानीय मुसलमानों ने सेवा सहयोग भाईचारा व सद्भाव की जो मिसाल पेश की है दरअसल वही साधु संतों फ़क़ीरों व औलियाओं का धर्म है। वही धर्म नानक ख़ुसरो चिश्ती फ़रीद बुल्लेशाह व निज़ाम जैसे फ़क़ीरों का धर्म है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

20 लाख के नकली नोट चलाने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के 5 सदस्यों को पकड़ा

इंदौर। पुलिस ने नकली नोट का अवैध कारोबार करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया। अलग-अलग राज्यों में नकली नोट छापकर उसे खपाने वाले गिरोह के सरगना समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) आदित्य पटले ने बताया कि आरोपियों की पहचान मनप्रीत सिंह विर्क, मलकीत सिंह विर्क, महिपाल बेड़ा, अनुराग सिंह चौहान और मोहसिन खान के रूप में हुई।

उन्होंने बताया कि गिरोह का सरगना मनप्रीत सिंह विर्क नागपुर में रहता है। इस शहर में विर्क द्वारा किराए पर लिए गए एक फ्लैट में 200 और 500 रुपए के नकली नोट छापे जा रहे थे। पटले ने बताया कि इस फ्लैट से 'ए-4' आकार के कुछ कागजों पर छपे नकली नोट के साथ ही जाली मुद्रा तैयार किए जाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण जब्त किए गए, जिनमें विशेष स्याही, प्रिंटर और लेमिनेशन मशीन शामिल हैं।

उन्होंने शुरुआती जांच के हवाले से बताया कि पुलिस की गिरफ्त में आया गिरोह 20 लाख रुपए से ज्यादा के नकली नोट छापकर इन्हें इंदौर, मुंबई और अन्य शहरों में इस्तेमाल करने के लिए भेज चुका है। पटले के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों का दावा है कि उन्होंने टेलीग्राम और यूट्यूब जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर वीडियो देखकर नकली नोट छापना सीखा।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरोह के एक सदस्य को जनवरी में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस कब इस गिरोह के खिलाफ पूरी जांच कर रही है कि इन्होंने किस राज्य और किस शहर में नकली नोट चलाए और ये कब से ये अवैध कारोबार चला रहे हैं।

ऐसे पकड़ाया यह गिरोह

सहायक पुलिस आयुक्त (विजय नगर) आदित्य पटले ने बताया कि सूचना मिली थी कि लसूड़िया क्षेत्र अंतर्गत एक गिरोह इस समय सक्रिय है जो नकली नोट मार्केट में चला रहा है। इस गिरोह का एक सदस्य नकली नोट लेकर देवास नाका के पास खड़ा है। थाना प्रभारी तारेश कुमार सोनी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन कर, योजना बना कार्यवाही के लिए लगाया गया। गठित टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए देवास नाका के पास से संदिग्ध आरोपी शुभम उर्फ पुष्पांशु रजक को पकड़कर आरोपी से पांच सौ रुपये के कुल 46 नकली नोट जब्त किए गए।

आरोपी ने पूछताछ पर बताया कि उक्त नोट नसरुल्लागंज निवासी महिपाल उर्फ मोहित बेड़ा से खरीदे हैं। जिसके आधार पर आरोपी महिपाल उर्फ मोहित बेड़ा को नसरुल्लागंज (सीहोर) से गिरफ्तार किया गया। आरोपी महिपाल से पूछताछ में जानकारी मिली कि उपरोक्त नोट नागपुर निवासी मनप्रीत द्वारा भेजे गए हैं तथा आरोपी महिपाल ने अभी तक ?20 लाख के नकली नोट मनप्रीत से खरीदे हैं जिन्हें आरोपी अनुराग चौहान निवासी रहठी जिला नसरुल्लागंज तथा मोहसिन खान निवासी खजराना इंदौर को बेचे हैं।

महाराष्ट्र से पकड़ाया मुख्य सरगना

मिली जानकारी के आधार पर आरोपी मोहसिन निवासी खजराना इंदौर एवं आरोपी अनुराग चौहान निवासी रेहटी जिला सीहोर को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों से नकली नोट बरामद किए गए। बाद में प्रकरण के मुख्य सरगना मनप्रीत सिंह विर्क निवासी नागपुर महाराष्ट्र को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसने अपने साथी मलकीत सिंह विर्क के साथ किराए के लिए हुए फ्लैट पर उक्त नकली नोट बनाता है जिसके संपूर्ण उपकरण आरोपी मलकीत सिंह के घर पर छिपाकर रखे हैं।

आरोपी मलकीत सिंह की निशादेही पर नकली नोट बनाने के उपकरण जब्त किए। जिसमें 3 लेजर कलर प्रिंटर, 2 लैमिनेशन मशीन, ए फोर साइज के 85 जीएसएम कागज जिन पर 500 व 200 रुपए के नोट छपे हुए हैं तथा नोट बनाने में प्रयुक्त होने वाली वॉटरमार्क व्हाइट इंक आदि सामग्री जप्त की गई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने अभी तक 20 से 22 लाख के नकली नोट तैयार कर बेचे हैं। आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनको न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर रिमांड लिया गया है जिनसे और अधिक पूछताछ की जारी है।

सीएमओ ने गंदगी और अतिक्रमण करने पर लगाया जुर्माना

इटारसी। नगर पालिका अमले ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती ऋतु मेहरा के नेतृत्व में बाजार में हद से बाहर सामान रखकर व्यवस्था बिगाडऩे और नालियों में डिस्पोजेबल भरकर ड्रेनेज सिस्टम बिगाडऩे वाले दुकानदारों के खिलाफ जुर्माने की कार्रवाई की। नगर पालिका अमले ने एक दर्जन से अधिक दुकानदारों पर चालानी कार्रवाई कर जुर्माना वसूल किया। सीएमओ ऋतु मेहरा के नेतृत्व में मंगलवार को नगर पालिका का अतिक्रमण विरोधी अमला तथा स्वच्छता विभाग का अमला एकत्रित होकर बाजार में निकला। लक्ष्य था, गंदगी करने वालों और अपनी दुकान की हद से बाहर सामान रखने वालें दुकानदारों पर कार्रवाई करना और समझाईश देना। इस दौरान नपा टीम ने एक दर्जन से अधिक जगह चालानी कार्रवाई करते हुए समझाइश दी। सीएमओ श्रीमती मेहरा के साथ अतिक्रमण अमला प्रभारी रत्नेश पचौरी, उपयंत्री सुरेन्द्र रावत, स्वच्छता विभाग से कमलकांत बडग़ोती, राजस्व विभाग से वीरा अहिरवार, प्रकाश चौधरी व अन्य मौजूद थे।

गौरी ने दुबई में जश्न-ए-रेख्ता में दी शानदार कथक प्रस्तुति

खरगोन। भारतीय शास्त्रीय नृत्य की समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाते हुए कथक कलाकार गौरी ने दुबई में आयोजित प्रतिष्ठित साहित्य एवं कला महोत्सव जश्न-ए-रेख्ता में अपनी अद्भुत प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर उन्होंने सुप्रसिद्ध कथक नृत्यांगना एवं उनकी गुरु शिंजिनी जी कुलकर्णी और उनकी टीम के साथ मंच साझा किया। गौरी की इस उपलब्धि पर उनके परिवारजन, गुरुजनों, शिवानी देशमुख और खरगोन के सांस्कृतिक प्रेमियों में अपार हर्ष है। स्थानीय कला प्रेमियों का मानना है कि यह सिर्फ गौरी के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे खरगोन और मध्य प्रदेश के लिए गर्व का क्षण है। संस्थान की छात्रा मिताली चौधरी, तनिष्क रघुवंशी, जिज्ञासा मालवीय एवं अवनी गुप्ता ने बताया कि गुरु दीदी की इस शानदार सफलता पर उनके प्रशंसकों और कथक प्रेमियों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। यह उनकी वर्षों की मेहनत और समर्पण का परिणाम है, जिससे उन्होंने भारतीय शास्त्रीय नृत्य की गरिमा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक नया आयाम दिया है। कत्थक नृत्य संस्थान की संस्थान की कॉर्डिनेटर श्रीमती ममता हिरवे एवं पालकगण ने सुश्री गौरी देशमुख को इस उपलब्धि के लिए ढेरों शुभकामनाएं प्रेषित की

व्यापार महासंघ के सदस्यों ने क्षेत्रीय विधायक पटवा से की मुलाकात

ओबेदुल्लागंज (संवाददाता)। मंगलवार को व्यापार महासंघ के सदस्यों ने विधायक सुरेंद्र पटवा से भोपाल के निवास पर मुलाकात की ओर सभी व्यापार महासंघ के सदस्यों ने पटवा को धन्यवाद दिया इस अवसर पर व्यापार महासंघ के सदस्यों ने पटवा से कहा आपके मार्गदर्शन में व्यापार संघ प्रगति कर रहा है पटवा ने कहा औबेदुल्लागंज को सुंदर स्वच्छ और विकसित बनाने में सभी का सहयोग चाहिए इस अवसर पर पटवा ने सभी व्यापारियों का आत्मीय स्वागत किया इस मुलाकात के बाद नगर में जन चर्चा है कि विकास के मुद्दे पर हुई मुलाकात के दौरान छोटे व्यापारियों को भी बैठक में शामिल किया जाता तो और अच्छा होता।

माँ नर्मदा से जिले वासियों के कल्याण की कामना : मिश्रा

मंडला। नर्मदा जयंती के अवसर पर जिले के कलेक्टर सोमेश मिश्रा, एसपी रजत सकलेचा और सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट ने माहिष्मती घाट पहुंचकर स्नान एवं पूजन अर्चन किया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि माँ नर्मदा प्रकटोत्सव पर हम समस्त जिले वासियों के कल्याण की कामना करते हैं। आज नर्मदा जयंती पर नर्मदा जी के सभी घाटों पर श्रृद्धालुओं के लिए अच्छी व्यवस्था की गई है। भीड़ में सुचारू आवागमन और वाहनों की पार्किंग की भी पर्याप्त व्यवस्था है। सभी श्रृद्धालुओं से अपील है कि वह नर्मदा घाटों पर स्वच्छता बनाये रखने में सहयोग करें।

भाजपा पार्षद सहित 3 अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को उच्च न्यायालय ने जमानती वारंट जारी किया

प्रमुख सचिव पिछड़ा और अल्पसंख्यक विभाग अजीत केसरी, सौरभ कुमार सुमन पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक विभाग आयुक्त, घनश्याम धनगर एस डी एम जूनी इंदौर ,वार्ड 65 के भाजपा पार्षद कमलेश कालरा समेत 1 अन्य को उच्च न्यायालय की अवमानना का मामले में 5000 का जमानती वारंट जारी।

वार्ड 65 से कांग्रेस के प्रत्याशी रहे सुनील यादव की याचिका पर जारी हुआ वारंट याचिकाकर्ता की और से अधिवक्ता मनीष यादव, करण बैरागी ने तर्क रखे कि न्यायालय के 6 माह में पार्षद कालरा के जाती प्रमाण पत्र की जांच के आदेश होने के बाद भी जानबूझकर विलंब किया जा रहा है, पार्षद पर फर्जी जाती प्रमाण पत्र से पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित वार्ड से चुनाव लड़के जितने कि शिकायत कर रखी है, जिस पर छान बिन समिति लंबे समय से जांच कर रही है,सारे तथ्य आ जाने के बाद भी निर्णय नहीं कर रही माननीय न्यायालय ने फरवरी 2024 में समिति को आवश्यक रूप से 6 माह में जांच पूर्ण करने हेतु आदेशित किया था, किन्तु उसके बावजूद न्यायालय के आदेश की अवमानना करते हुए,निर्णय नहीं किया गया , मामले को जानबूझ कर सत्ता पक्ष के दबाव में आकर निर्णय नहीं किया जो न्यायालय के आदेश की सीधी अवमानना है, पिछली सुनवाई में नोटिस जारी हुए थे नोटिस प्राप्त होने के बावजूद कोई उपस्थित नहीं हुआ अधिवक्ता मनीष यादव, करण बैरागी ने इसे सीधे न्यायालय की अवमानना बताया जिस पर कोर्ट ने उनके तर्कों से सहमत होकर न्यायमूर्ति प्रणय वर्मा जी की कोर्ट ने प्रमुख सचिव अजित केसरी, कमिश्नर पिछड़ा वर्ग आयोग सौरभ कुमार,सचिव डॉ निलेश देसाई छानबीन समिति के घनश्याम धनगर,सफलता दुबे समेत भाजपा पार्षद कमलेश कालरा को न्यायलय की अवमानना करने पर 5000 के जमानती वारंट से तलब किया हे और अगली सुनवाई 3 मार्च 2025 के लिए नियत की हैं..!

अफ़ीम फ़सल परवान पर - किसान सुरक्षा में जुटे

मंदसौर। मालवा - मेवाड़ अंचल की विशिष्ट उपज अफ़ीम इन दिनों परवान पर है। नवंबर में काश्तकारों को केंद्रीय नारकोटिक्स विभाग द्वारा जारी लायसेंस पट्टों पर बुआई की गई। हरे पत्तों के बाद अब फूल भी आना शुरू हो गये हैं कोई 120 - 130 दिनों में तैयार होने वाली फ़सल अफ़ीम फ़रवरी माह में प्राप्त होगी।

सारे क्षेत्र में अफ़ीम फसलों पर श्वेत फूलों की बहार आई है और कई ग्रामीण स्थानों पर तो डोडे भी आकार ले रहे हैं।

शीत प्रकोप, बेमौसम बरसात और नील गायों, पशुओं-पक्षियों से बचाने की चुनौती किसानों के सामने चल रही है और रतजगा करते हुए बचाव के उपाय कर रहे हैं। वर्तमान में अफ़ीम की बढ़वार अच्छी बताई जा रही है।

जिला अफ़ीम कार्यालय के अनुसार मंदसौर जिले में तीन खंडों में कोई 22 हजार 460 से अधिक पट्टेदार लाइसेंसी काश्तकार हैं जिनमें परंपरागत खेती (लूणी चिरणी) वाले 11 हजार 326 तथा सीपीएस पद्धति वाले 10 हजार से अधिक काश्तकार अफ़ीम फ़सल ले रहे हैं। चालू वर्ष में लगभग 2 हजार नए पट्टे आवंटित हुए हैं। जिले के 530 से भी अधिक गांवों में अफ़ीम की पैदावार की जा रही है। ज्ञातव्य है कि अफ़ीम उत्पादित इस क्षेत्र में मादक द्रव्यों अफ़ीम और इसके बाईप्रोड्क्टस स्मैक हेरोइन के अलावा डोडाचूरा की अवैध तस्करी का बड़ा बाजार और नेटवर्क है इसके चलते अपराध और नशे का प्रचलन है, इसकी रोकथाम के लिये नारकोटिक्स विभाग, पुलिस विभाग और प्रशासनिक अमला काम कर रहा है।

यह अंचल अफ़ीम उत्पादन के लिए जाना जाता है एक शताब्दी से भी पहले से जलवायु अनुकूल होने से मालवा-मेवाड़ के समीपवर्ती जिलों में अफ़ीम पैदावार होरही है। रकबे में नीति अनुसार कमी बेशी होती रही है। नकदी फसल होने से अफ़ीम के प्रति विशेष आकर्षण अंचल में बना हुआ है।जानकारों के अनुसार इस क्षेत्र में पैदा होने वाली अफ़ीम में मार्फिन व अन्य घटकों का प्रतिशत अधिक पाया गया है जो केन्सर व अन्य गंभीर बीमारियों के लिए बहुत उपयोगी है। केन्सर रोधी दवाओं में अफ़ीम की उपयोगिता बहुत है, यह शोधित कर विभिन्न दवाओं में उपयोग की जा रही है।

सारी उपज केंद्र सरकार के अधीन खरीद की जाती है और किसानों को मूल्य चुकाया जाता है। बहुत नाजुक फसल होने से किसानों को पहरेदारी करना पड़ती है वहीं अब अफ़ीम तैयार होने पर भी उसकी सुरक्षा बड़ी चुनौती है।

विश्व कैंसर दिवस पर कार्यशाला का आयोजन

इटारसी। उच्च शिक्षा विभाग मप्र शासन के निर्देशानुसार स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं एवं प्राणीशास्त्र विभाग द्वारा *÷बचाओ ही कैंसर का इलाज है÷* विषय पर कार्यशाला का आयोजन कन्या महाविद्यालय किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. आर. एस. मेहरा कहा कि इस वर्ष की थीम ÷यूनाइटेड वाय यूनीक÷ है। इस थीम का उद्देश्य लोगों को यह समझना है कि कैंसर सिर्फ इलाज से ही नहीं जीता जा सकता, बल्कि यह एक लड़ाई है, इसे जागरूकता के माध्यम से लोगों को जागरूक करके, इस कैंसर जैसी घातक बीमारी को खत्म किया जा सकता है। स्वामी विवेकानंद प्रकोष्ठ प्रभारी स्नेहांशु सिंह ने कैंसर रोग एवं उसके बचाव के उपाय बताएं एवं बताया की फायबरयुक्त आहार ले, नियमित रूप से अपने शरीर की जाँच, नियमित व्यायाम करें, तनाव मुक्त रहे जिससे अपनी दिनचर्या स्वास्थ्य बनी रहे। श्री चौरसिया ने कैंसर के विभिन्न लक्षणों से अवगत कराते हुए बताया कि विश्व को कैंसर मुक्त करने के लिए आप भी कदम बढ़ाये और खुद तथा अपने परिवार एवं समाज को तंबाकू, सिगरेट, शराब आदि से दूर रहने की सलाह दें। कार्यक्रम संयोजक डॉ. संजय आर्य ने बताया कि शरीर में होने वाली कोशिकाओं की असामान्य वृद्धी को कैंसर कहते हैं। हमारे शरीर में कोशिकाओं का लगातार विभाजन होना एक सामान्य प्रक्रिया है, जिस पर शरीर का पूरा नियंत्रण रहता है। लेकिन जब किसी विशेष अंग की कोशिकाओं पर शरीर का नियंत्रण नहीं रहता है तो वे असामान्य रूप से बढ़ने लगती है और ट्यूमर का रूप ले लेती है। डॉ. शिरीष परसाई ने कहां की कैंसर पीड़ित व्यक्ति अपनी इच्छा शक्ति के जरिए इस जानलेवा बीमारी से जीत सकता है। डॉ. शिखा गुप्ता ने भी अपने विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम में श्रीमती मंजरी अवस्थी, श्री स्नेहांशु सिंह, श्री रविन्द्र चौरसिया, डॉ. संजय आर्य, डॉ. हर्षा शर्मा. डॉ. मुकेश बिस्ट, डॉ. शिरीश परसाई, डॉ. नेहा सिकरवार, डॉ. शिखा गुप्ता, श्री हेमंत गोहिया, करिश्मा कश्यप, कु. क्षमा वर्मा, श्रीमती शोभा मीणा सहित कन्या महाविद्यालय कि छात्राएं उपस्थित थी।

सर्विस लेवल बेंचमार्किंग
नगर पालिका परिषद शहडोल, जिला शहडोल म.प्र.

क्रं.	सुविधा / संकेतक	वर्ष 2023-24 का लक्ष्य		वर्ष 2024-25 का लक्ष्य
		लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य
	जल आपूर्ति			
1	कुल परिवार सख्या के विरुद्ध कनेक्शन	80	72	85
2	प्रति व्यक्ति दैनिक जलापूर्ति (लीटर में)	73	73	135
3	कनेक्शन की संख्या की तुलना में मीटर की स्थापना (%)	25	0	25
4	गैर- राजस्व जल (%)	20	18	20
5	जलापूर्ति की अवधि (घण्टों में)	2	1.5	2
6	जल शोधन की पर्याप्तता (%)	100	100	100
7	जन शिकायत निवारण (%)	100	100	100
8	सेवा संचालन व सधारण लागत के विरुद्ध वसूली (%))	100	70	100
9	जलापूर्ति शुल्क देयक वसूली दक्षता (%)	80	60	80
	मल जल प्रबंधन			
1	कुल परिवार संख्या की तुलना में शौचालयों की संख्या (%)	100	100	100
2	सीवरेज तंत्र की पर्याप्तता (%)	0	0	0
3	सीवरेज तत्र की संग्रहण क्षमता (%)	0	0	0
4	मल-जल उपचार प्र्याप्तता (%)	0	0	0
5	मल-जल के उपचार की गुणवत्ता (%)	0	0	0
6	शोधित मल-जल पुनः उपयोग / पुर्नचक्रीकरण विस्तार (%)	0	0	0
7	जन शिकायत निवारण (%)	100	100	100
8	सेवा संचालन व संधारण लागत के विरुद्ध वसूली (%)	0	0	0
9	सीवरेज शुल्क देयक वसूली दक्षता (%)	0	0	0
	ठोस अपशिष्ट प्रबंधन			
1	कुल परिवार संख्या की तुलना में घर-घर से कचरा संग्रहण (%)	100	75	100
2	नगर के कुल कचरे की तुलना में कवरा संग्रहण दक्षता (%)	100	86	100
3	ठोस अपशिष्ट पृथक्करण विस्तार (%)	0	0	50
4	ठोस अपशिष्ट से पुनः उपयाग / पुर्नचक्रीकरण योग्य सामग्री प्राप्ति (%)	0	0	20
5	ठोस अपशिष्ट का वैज्ञानिक निपटान विस्तार (%)	80	20	80
6	जन शिकायत निवारण (%)	100	100	100
7	सेवा संचालन व संधारण लागत के विरुद्ध वसूली (%)	90	90	90
8	उपभोक्ता शुल्क देयक वसूली दक्षता (%)	70	60	70
	वर्षा जल निकासी			
1	नगर में वर्षा जल निकासी तंत्र की व्याप्तता (%)	80	75	80
2	नगर में जलमग्नता / बाढ़ की घटनाएं (संख्या)	0	0	0
	रेन वॉटर हार्वेस्टिंग			
1	रेन वॉटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्बर स्थापित (%)	30	15	30
2	कुल बालू रेन वॉटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर की संख्या	625	460	625
3	फुल निर्माणाधीन रेन वॉटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर की संख्या	200	160	200

सेवा स्तरीय मानदण्ड
नगरपालिका परिषद शहडोल

क्रं.	सुविधा / संकेतक	वर्ष 2023-24 का लक्ष्य		वर्ष 2024-25 का लक्ष्य
		लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य
1	2	3	4	5
अ	जलापूर्ति			
1	नल द्वारा जलापूर्ति के साथ कवर किये गये परिवार/घर (%)	70	70	80
2	प्रत्ति व्यक्ति को प्रतिदिन आपूर्ति किया गया जल (लीटर में)	73	73	75
3	गैर राजस्व में कमी (%)	20	17	22
ब	जल संरक्षण उपाय			
1	वर्षा जल संचयन	58	20	60
2	जल का पुनः उपयोग / पुर्नचक्रण	1	1	1
3	जल का निकायों का पुनरुद्धार	25	10	30
स	ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और स्वच्छ भारत मिशन के स्थायी परिणाम	ODF++	ODF++	ODF++

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद शहडोल

रामराज्यम समिति ने बसंत पंचमी पर कराया अखिल भारतीय कवि सम्मेलन

देश के प्रसिद्ध कवि शशिकांत यादव ने वीर रस से तो अकबर ताज ने हिंदी मुस्लिम एकता से सजाया सम्मेलन को

सिरोंज। एक लंबे अर्से के बाद पूर्व मंत्री स्व. लक्ष्मीकांत शर्मा के दौर में आयोजित होने वाले सांस्कृतिक आयोजन की महक जनमानस के दिलों दिमाग में ताजी नजर आई। मौका था बसंत पंचमी उत्सव के अवसर पर उनके पुण्य स्मरण में आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का। राम राज्यम समिति द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन में देश के नमी प्रख्यात कवियों ने हास्य, व्यंग्य,वीर तथा गीत छंदों की ऐसी महफिल सजाई जिसके रस का श्रोतागण देर रात तक आनंद लेते रहें। इस दौरान विधायक उमाकांत शर्मा ने भी देर रात तक श्रोताओं के बीच बैठकर कवि सम्मेलन का आनंद लिया।

राम राज्यम जन समिति के तत्वाधान में सोमवार की देर रात कपड़ा बाजार में आयोजित हुए अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में देवास से पहुंचे वीर रस के प्रसिद्ध कवि शशिकांत यादव ने राष्ट्रवाद, समाजवाद देशभक्ति से ओतप्रोत अपने काव्यपाठ से श्रोताओं का मंत्रमुग्ध किया। उन्होंने पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा को अपना अभिन्न मित्र बताते हुए कहा कि हम दोनों ने अनेक वर्षों तक उनके विश्व हिंदू परिषद के माध्यम साथ काम करते हुए राष्ट्र को परम वैभव पर ले जाने का काम किया है। उनके संस्कृति मंत्री रहते हुए मध्यप्रदेश ने साहित्य, कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में पहचान स्थापित की है। उन्होंने मुझे सदैव छोटे भाई सा स्नेह प्रदान किया है। पूर्व में वह ही मुझे कवि सम्मेलन में यहां लेकर आए थे तबके ओर आज के सिरोंज में बड़ा बदलाव मुझे देखने को मिला है आज भी में उनके लिए ही उनके अनुज विधायक उमाकांत शर्मा के बुलावे पर सब छोड़कर यहां कविता पाठ करने आया हूं। शशिकांत यादव ने कहा कि में प्रयास करूंगा कि आने वाले वर्षों में यह कवि सम्मेलन ओर भव्य स्तर पर आयोजित हो सके।

कवि सम्मेलन का संचालन कर रहे हास्य एवं व्यंग्य के प्रसिद्ध कवि संतोष शर्मा सागर के कविता पाठ ने जमकर गुदगुदाया। खंडवा से कवि सम्मेलन में पहुंचे नेत्रहीन कवि अकबर ताज ने भगवान श्री राम को अवतारी पुरुष बताते हुए गंगा जमुनी तहजीब को केंद्रित करते हुए अपनी बुलंद आवाज के बलबूते सामने बैठे श्रोताओं की जोरदार वाहवाही लूटी। इस दौरान गीत गजल की मशहूर कवयित्री संगीता सरल तथा शायरा साबिया असर ने प्रेम के गीतों और शायरी के माध्यम से अपने मुक्तकों को सुनाया। वहीं रायसेन के प्रसिद्ध हास्य कवि ज्ञानचंद ज्ञानि ने चुटकीले व्यंग्यों से खूब हंसाया। विदिशा के मशहूर गीत गजलकार उदय ढोली तथा कृष्णकांत मूंदड़ा ने भी अपनी रचनाओं का पाठ किया।

इसके पूर्व करीब साढ़े नौ बजे मंच पर पहुंचे कवियों ने कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे नपाध्यक्ष मनमोहन साहू तथा विशिष्ट अतिथि सिरोंज के वरिष्ठ कवि सियाराम नेमा के साथ मां सरस्वती,सूर्यकांत त्रिपाठी निराला तथा वीर हकीकतराय के चित्रोबक समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पूर्व मंत्री स्व.लक्ष्मीकांत शर्मा के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर कवि सम्मेलन का शुभारंभ किया। जनकल्याण समिति के सदस्यों द्वारा मंचासीन कवियों को केसरिया साफा पहनाकर स्वागत सम्मान किया गया। इस दौरान प्रमुख रूप समिति के वरिष्ठ सदस्य ओमप्रकाश दुबे,शिवकुमार मिश्रा,सर्सिज शर्मा,सतीश श्रीवास्तव,संतोष दुबे,सचिन शर्मा,आदित्य गर्ग,भावेश गर्ग सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं नागरिक बंधु मौजूद रहे।

सोलारियम ग्रीन एनर्जी लिमिटेड का आईपीओ कल खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। सोलारियम ग्रीन एनर्जी लिमिटेड टर्नकी समाधानों में विशेषज्ञता रखता है, जिसमें डिज़ाइन, इंजीनियरिंग, खरीदारी, परीक्षण, स्थापना, कमीशनिंग, ट्रांसमिशन सिस्टम और व्यापक सेवाएं शामिल हैं। यह 6 फरवरी, 2025 को 105.04 करोड़ जुटाने के उद्देश्य से अपनी प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश खोलने का प्रस्ताव करता है, और इसके शेयर बीएसई एसएमई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होंगे। 10 के अंकित मूल्य वाले 54,99,600 इक्विटी शेयर, 181 - 191 प्रति शेयर के इश्यू मूल्य बैंड के साथ। आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए उपयोग की जाएगी। सोलारियम ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर अंकित गर्ग, ने कहा, वर्षों से, हमारी विशेषज्ञता और स्ट्रेटिजिक दृष्टि ने कंपनी को आवासीय, वाणिज्यिक और औद्योगिक और सरकारी क्षेत्रों में एक उभरते हुए ईपीसी खिलाड़ी के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

एचडीएफसी बैंक स्टार्ट-अप का स्टार्ट-अप अनुदान से करेगा सपोर्ट

मुंबई, एजेंसी। भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने अपने प्रमुख परिवर्तन स्टार्ट-अप अनुदान कार्यक्रम के आठवें संस्करण के शुभारंभ की घोषणा की है। इस वर्ष सामाजिक प्रभाव क्षेत्र में काम करने वाले 50-60 स्टार्ट-अप का सपोर्ट करने के लिए 15 से अधिक इनक्यूबेटर और एक्सेलेरेटर का चयन किया गया है और उन्हें इसमें शामिल किया गया है। कार्यक्रम चयनित स्टार्ट-अप को 50 लाख रुपए तक का अनुदान प्रदान करेगा, जिसका कुल कार्यक्रम बजट 20 करोड़ रुपए है। आईआईटी मद्रास, आईआईएम अहमदाबाद वेंचर्स, विल्ग्रो, आईसीएआईआर पूसा कृषि, आईआईटी गुवाहाटी बायोनेस्ट, एस्पायर - हैदराबाद विश्वविद्यालय, आईआईएम-कलकत्ता इनोवेशन पार्क, आई-हब गुजरात, केरल स्टार्ट-अप मिशन, आईएफएमआर कैटालिस्ट एआईसी इस साल पहले से ही शॉर्टलिस्ट किए गए इनक्यूबेटर्स में से हैं।

टफी को बनाया यादगार, लेकिन जानवरों से डरता हूं : सूरज बड़जात्या

मुंबई। सूरज आर. बड़जात्या अपनी नई वेब सीरीज बड़ा नाम करेंगे के साथ ओटीटी की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। इस खास मौके पर उन्होंने अपनी सुपरहिट फिल्म हम आपके हैं कौन की यादों को ताजा किया। यह वही फिल्म थी, जिसने दर्शकों को टफी नाम का प्यारा डॉगी दिया था, जिसे सभी ने बेहद पसंद किया। लेकिन हाल ही में सूरज बड़जात्या ने एक ऐसा राज खोला, जिसे सुनकर उनके फैंस हैरान रह गए। उन्होंने बताया कि वे खुद जानवरों से बहुत डरते हैं! इंडियन आइडल में बड़ा नाम करेंगे के प्रमोशन के दौरान, जब कंटेस्टेंट मानुषी ने उनकी फिल्मों में जानवरों के प्रति लगाव को लेकर सवाल किया, तो उनका जवाब चौंकाने वाला था। उन्होंने कहा, जानवर इंसानों जितने ही खास होते हैं, लेकिन मैं उनसे बहुत डरता हूं! हम आपके हैं कौन की शूटिंग के दौरान टफी का किरदार निभाने के लिए दो अलग-अलग कुत्ते रखे गए थे– एक सुबह की शूटिंग के लिए और दूसरा शाम के लिए।

एएसईआर 2024 परिणाम ग्रेड 3 के संदर्भ में - मिशन अंकुर

मुंबई, एजेंसी। सीखने के स्तर में अचानक सुधार की क्या वजह है आमतौर पर देश भर के अनुमान में बदलाव की गति धीमी रही है और सीखने का स्तर 2010 तक स्थिर था, उसके बाद उसमें थोड़ी गिरावट आई और फिर 2014 से 2018 के बीच इसमें धीरे-धीरे सुधार होता दिखा। हमने पिछले 20 वर्षों में, जब से 'असर' बुनियादी पढ़ाई और अंकगणित पर डेटा प्रस्तुत कर रहा है, इस पैमाने पर सुधार नहीं देखा है। यह सब एनईपी 2020 और बुनियादी कौशल पर ध्यान देने की ओर इशारा करता है। हालांकि यह पहली बार नहीं है जब सीखने में सुधार के लिए कार्यक्रम शुरू किए गए हैं, लेकिन इसमें बड़ा अंतर यह है कि ऐसा पहली बार हुआ है कि बुनियादी शिक्षा के परिणामों को सुधारने के लिए व्यवस्थित तरीके से राष्ट्रीय प्रयास किया गया है।

टाटा मोटर्स करेगा 20 से अधिक जिलों के 1000 जलाशयों का जीर्णोद्धार

मुंबई, एजेंसी। टाटा मोटर्स ने जल संसाधनों की रक्षा करने और ग्रामीण समुदायों के उत्थान के लिये अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए, महाराष्ट्र सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये हैं। इसके तहत राज्य में पानी के अभाव वाले क्षेत्रों के 20 से अधिक जिलों में 1000 जलाशयों का जीर्णोद्धार किया जाएगा। टाटा मोटर्स ने 2024 में गल मुक्त धरण गल युक्त शिवर योजना के तहत महाराष्ट्र में 356 जलाशयों को नया जीवन देकर फिर से बनाया था। यह महाराष्ट्र सरकार के सॉइल एण्ड वाटर कंजर्वेशन डिपार्टमेंट, नाम फाउंडेशन और स्थानीय समुदायों की भागीदारी में चलाया जा रहा जलाशयों में जमा सिल्ट यानी गंदगी को हटाने के लिये एक सामुदायिक कार्यक्रम है। टाटा मोटर्स अपने गठजोड़ को मजबूत करते हुए जल संरक्षण की पहल का विस्तार राज्य के 20 से अधिक जिलों तक करना चाहती है। इनमें विदर्भ और मराठवाड़ा के वे क्षेत्र भी शामिल हैं, जहाँ पानी का अभाव रहता है। प्रस्तावित गठजोड़ का लक्ष्य अमरावती, लातूर, चंद्रपुर, नागपुर, नांदेड़, परभणी, अकोला, गढ़चिरौली, यवतमाल, धाराशिव, छत्रपति संभाजी नगर, अहिल्या नगर, सांगली, सोलापुर, पुणे, पालघर और ठाणे तथा राज्य के अन्य जिलों में 1000 जलाशयों को नया जीवन देना है।

वाइब्रेंट बिल्डकॉन 2025: उद्योग विकास को बढ़ावा देने के लिए वन नेशन वन एक्सपो

नई दिल्ली, एजेंसी। बहुप्रतीक्षित वाइब्रेंट बिल्डकॉन 2025, भारत का सबसे बड़ा बिल्डिंग मटेरियल एक्सपो, 13 से 16 अप्रैल, 2025 तक प्रतिष्ठित यशोभूमि प्रदर्शनी और कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित होने वाला है। 50,000 वर्ग मीटर के विशाल क्षेत्र में फैले इस एक्सपो में 150,000 से अधिक घरेलू आगंतुक और 2,000 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय खरीदार आएंगे, जिससे वैश्विक सहयोग और व्यापार विकास के लिए एक गतिशील मंच तैयार होगा। नवाचार और उत्कृष्टता का प्रदर्शन वाइब्रेंट बिल्डकॉन 2025 के ब्रांड एंबेसडर बॉलीवुड आइकन सुनील शेट्टी इस उल्लेखनीय पहल को अपना समर्थन दे रहे हैं, और उद्योग के लिए इसके महत्व पर जोर दे रहे हैं।

भोपाल मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल के निदेशक डॉ. जीशान अहमद को मिला सर्वश्रेष्ठ एमडी मेडिसिन कंसल्टेंट पुरस्कार

भोपाल, भोपाल के प्रतिष्ठित भोपाल मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल के निदेशक डॉ. जीशान अहमद को चिकित्सा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सर्वश्रेष्ठ एमडी मेडिसिन कंसल्टेंट और उत्कृष्ट मल्टीस्पेशलिटी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ अस्पताल का पुरस्कार प्रदान किया गया। यह सम्मान उन्हें माननीय श्री विश्वास सारंग, सहकारिता एवं खेल और युवा कल्याण मंत्री, मध्य प्रदेश शासन, के करकमलों द्वारा होटल रेडिसन में आयोजित एक भव्य समारोह में दिया गया।

यह आयोजन समूह, माय एफएम 94.3, न्यूज़ 24 और मानसरोवर यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें प्रदेश भर से चुने गए 30 डॉक्टरों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। चिकित्सा जगत के कई गणमान्य व्यक्तियों ने इस समारोह में हिस्सा लिया। यह सम्मान चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा देने वाले डॉक्टरों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदान किया गया।

पुरस्कार प्राप्त करने के बाद, डॉ. जीशान अहमद ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपनी पूरी टीम को दिया। उन्होंने विशेष रूप से अपने सहयोगी डॉ. जोहेब अहमद का आभार व्यक्त करते हुए कहा, ÷उनके निरंतर समर्थन और समर्पण के बिना यह सम्मान प्राप्त करना संभव नहीं था। समारोह में डॉ. जीशान अहमद के साथ-साथ प्रदेश के 30 अन्य डॉक्टरों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने विभिन्न चिकित्सा श्रेणियों में बेहतरीन कार्य किया है। यह पुरस्कार चिकित्सा सेवाओं में नई ऊंचाइयों को छूने और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाने के लिए प्रेरित करता है। इस अवसर पर माननीय मंत्री श्री विश्वास सारंग ने स्वास्थ्य सेवाओं में निजी अस्पतालों की भूमिका की सराहना की और चिकित्सा क्षेत्र में सुधार के प्रयासों पर जोर दिया।

कैच मसालों के नए विज्ञापनों में दिखेगा अक्षय-राजपाल का जबरदस्त तड़का

मुंबई।कैच स्पाइसेज़, जो धरमपाल सत्यपाल ग्रुप (डीएस ग्रुप) का प्रमुख ब्रांड है और देश के अग्रणी एफएमसीजी समूहों में से एक है, ने आज अपने दो नए टेलीविजन विज्ञापनों की घोषणा की। इन विज्ञापनों में बॉलीवुड के सुपरस्टार अक्षय कुमार और राजपाल यादव नजर आएंगे। यह नया कैंपेन ब्रांड के संदेश क्योंकि खाना सिर्फ खाना नहीं होता को और मजबूत बनाने के लिए तैयार किया गया है। इसमें हल्के-फुल्के और दिलचस्प किस्सों के जरिए खाने से जुड़ी भावनाओं को खूबसूरती से दर्शाया गया है। इस अभियान की क्रिएटिव सोच डेंट्सु इंटरनेशनल ने तैयार की है, जबकि निर्देशन क्रोम पिक्चर्स लिमिटेड के हेमंत भंडारी ने किया है। ये नए विज्ञापन विशेष रूप से कैच हल्दी और कैच गरम मसाला पर केंद्रित हैं, जो ब्रांड की पहचान को और मजबूत बनाते हैं। इनमें यह दिखाया गया है कि कैसे कैच स्पाइसेज़ खाने के स्वाद को बढ़ाने के साथ-साथ लोगों और परिवारों के बीच संबंधों को भी मजबूत करते हैं। कैच हल्दी के विज्ञापन में एक रोचक घटना को दिखाया गया है, जिसमें एक छोटी-सी गलती मजेदार मोड़ ले लेती है और पड़ोसियों के साथ यादगार लंच का मौका बन जाती है। यह कहानी इस खूबसूरत विचार को सामने लाती है कि खाना केवल पेट भरने का जरिया नहीं, बल्कि रिश्तों को जोड़ने का माध्यम भी होता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में हुआ पॉवर मैनेजमेंट कम्पनी और एनटीपीसी में बिजली क्रय करने का अनुबंध

भोपाल ~ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में राज्य की दीर्घकालिक ऊर्जा मांग की आपूर्ति के लिये एमपी पॉवर मैनेजमेंट कम्पनी ने एनटीपीसी के साथ बिजली क्रय करने के लिये अनुबंध किया। इस दौरान ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर और अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री नीरज मंडलोई भी उपस्थित थे। अनुबंध पॉवर मैनेजमेंट कम्पनी के एमडी श्री अविनाश लवानिया और एनटीपीसी के जनरल मैनेजर श्री शंकर सरण के बीच हुआ।

एनटीपीसी के पश्चिम क्षेत्र के रीजनल एक्सक्यूटिव डायरेक्टर श्री पीके मिश्रा ने बताया कि एनटीपीसी द्वारा नरसिंहपुर में गाडरवाडा में स्टेज-2 के अंतर्गत 800-800 मेगावॉट की दो यूनिट स्थापित की जा रही हैं। इनमें से 800 मेगावॉट बिजली केन्द्रीय नियामक आयोग द्वारा निर्धारित दरों के आधार पर मध्यप्रदेश को मिलेगी। इनमें उत्पादन 2030-31 शुरू करने का लक्ष्य है। एनटीपीसी द्वारा गाडरवाडा में स्टेज-1 में 800-800 मेगावॉट की दो यूनिट वर्तमान में स?थापित है। इनमें भी 800 मेगावॉट बिजली मध्यप्रदेश को मिल रही है।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि मध्यप्रदेश के विकास में एनटीपीसी के योगदान का स्वागत है। उन्होंने एनटीपीसी के अधिकारियों से नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी कार्य करने के संबंध में चर्चा की। अपर मुख्य सचिव श्री मंडलोई ने भोपाल में होने वाली आगामी ग्लोबल इंस्वेटर्स समिट में शामिल होने और ऊर्जा के क्षेत्र में विभिन्न कार्यों के लिये अनुबंध करने के संबंध में बात की। एनटीपीसी के अधिकारियों ने न्यूक्लियर एनर्जी, पम्प स्टोरेज, नवकरणीय ऊर्जा और पॉवर ट्रेडिंग के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

वित्तीय वर्ष समाप्त होने में अब बचे केवल 2 माह, फायनेंस ने विभागों को दिए नए निर्देश

भोपाल। वित्तीय वर्ष समाप्ति में दो माह से भी कम का समय बचा है। ऐसे में वित्त विभाग ने सभी विभागों को अलर्ट जारी कर गांव की बेटी, प्रतिभा किरण योजना सहित अन्य योजनाओं और देनदारियों का भुगतान समय पर करने को कहा है। साथ ही बजट लेप्स न हो इसके लिए भी चेताया है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंतर्गत केन्द्रीयकृत बजट अंतर्गत वेतन भत्ते, बिजली एवं जल के प्रभार और दूरभाष मद के अंतर्गत राशि के समय पर भुगतान करने के निर्देश वित्त विभाग ने सभी विभागों को जारी किए है। इसी प्रकार अन्य योजनाओं जैसे गांव की बेटी योजना, प्रतिभा किरण योजन, अतिथि विद्वानों के मानदेय के भुगतान, अनुसूचित जाति, जनजाति के विद्यार्थियों को निःशुल्क पुस्तकें, स्टेशनरी का प्रदाय योजना में भी ग्लोबल बजट है इसलिए इन योजनाओं में नियमानुसार और पात्रता अनुसार समयसीमा में संबंधितों को राशि का भुगतान और आहरण करने के निर्देश वित्त विभाग ने जारी किए है।

ग्लोबल बजट के अतिरिक्त अन्य योजनाओं में समय-समय र बजट आवंटन किया गया है। आईएफएमआईएस पोर्टल रिपोर्ट में यह प्रदर्शित हो रहा है कि महाविद्यालयों द्वारा विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त आवंटन का अभी तक आहरण एवं भुगतान नहीं किया गया है। स्मरण पत्र जारी करने और वीडियो कांफ्रेंसिंग में भी बार-बार निर्देश देने के बाद भी आवंटित बजट राशि, ग्लोबल बजट राशि का समयसीमा में नियमानुसार आहरण एवं भुगतान नहीं किया जा रहा है यह उचित नहीं है। वित्त विभाग ने पुनः निर्देशित किया है कि सभी आहरण वितरण अधिकारी अपने डीडीओ की आईएफएमआईएस निकालकर चेक करे तथा विभिन्न योजनाओं, बजट शीर्षो में आवंटित बजट अथवा ग्लोबल बजट का तत्काल नियमानुसार आहरण एवं भुगतान करे लंबित देयता तथा राशि की आवश्यकता नहीं होंने पर आईएफएमआईएस अंतर्गत विभागों के डीडीओ कोड में उपलब्ध शेष राशि बीसीओ कोड में तत्काल समर्पित करने के निर्देश भी दिए गए है।

दूध विक्रेताओं को फैट मापक यंत्र प्रतिष्ठान पर रखना अनिवार्य कलेक्टर ने जारी किये प्रतिबंधात्मक आदेश, उल्लघंन पर होगी कार्रवाई

इंदौर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह ने इन्दौर जिले में अपमिश्रित व मिलावटी दूध के उपयोग से होने वाले संक्रामक रोगो की रोकथाम, सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से अपमिश्रित एवं मिलावटी दूध के विक्रय की रोकथाम एवं उस पर नियंत्रण के मद्देनजर भारतीय नागरिक सुरक्षा अधिनियम 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये है। इस आदेश के अनुसार दूध में मिलावट की पहचान हेतु प्रत्येक दूध विक्रेता को फैट (वसा) मापक यंत्र प्रतिष्ठान पर अनिवार्य रूप से रखना होगा।

जारी आदेशानुसार इन्दौर जिले की सम्पूर्ण राजस्व सीमा क्षेत्र में समस्त दुग्ध विक्रेता/डेयरी संचालक अपने प्रतिष्ठान में फैट (वसा) एवं एस.एन.एफ. मापक यंत्र अनिवार्य रूप से रखना होंगे। समस्त दुग्ध विक्रेता/डेयरी संचालक विक्रय किए जा रहे दूध में फैट एवं एस.एन.एफ. की खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं विनियम 2011 के अनुसार निर्धारित/मानक मात्रा एवं वर्तमान दुग्ध पदार्थ में उपस्थित मात्रा को इलेक्ट्रानिक रूप से डिस्प्ले पर अथवा सूचना पटल पर लिखकर अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करेंगे। समस्त दुग्ध विक्रेता/डेयरी संचालक उपभोक्ताओं के चाहे जाने पर उनके समक्ष ही दूध का परीक्षण कर फैट एवं एस.एन.एफ. की मात्राओं से अवगत करायेंगे।

समस्त दुग्ध विक्रेता/डेयरी संचालक मापक यंत्र के संबंध में आवश्यक जानकारी एवं प्रशिक्षण आवश्यकता अनुसार उपभोक्ताओं को प्रदान करेंगे। समस्त दुग्ध विक्रेता/डेयरी संचालक जिनके द्वारा डोर-टू-डोर दूध सप्लाई की जाती है वे अपने साथ मापक यंत्र रखना अथवा दूध के डिब्बों/केन पर फैट एवं एस.एन.एफ. की मात्रा प्रतिदिन दिनांक के साथ अनिवार्य रूप से उल्लेखित किया जाना सुनिश्चित करेंगे। समस्त दुग्ध विक्रेता/डेयरी संचालक को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं विनियम 2011 के अनुसार प्रतिदिन दूध आवक एवं विक्रय का रिकार्ड का संधारण करना अनिवार्य है। साथ ही उक्त रजिस्टर में फैट एवं एस.एन.एफ. की जानकारी भी अंकित किया जाना अनिवार्य होगा।

उक्त समस्त बिन्दुओं के पालन के संबंध में जिले में पदस्थ खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा समय-समय पर जांच की जायेगी। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाये जाने पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 एवं विनियम 2011 के अंतर्गत प्रकरण तैयार कर सक्षम न्यायालय में प्रस्तुत किया जायेगा।

आदेश का उल्लघंन करने पर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा-223 के तहत कार्रवाई की जायेगी। यह आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है और आगामी 3 अप्रैल 2025 तक प्रभावशील रहेगा।

मप्र के प्रतिभाशाली संगीतकार एसआर डेहरिया और गायिका आकृति मेहरा ने मुंबई में लांच किया गीत नादान दिल

भोपाल। नादान दिल - भोपाल की एस एम डब्ल्यू फिल्म्स प्रोडक्शन कंपनी द्वारा मुंबई में रिलीज़, गीतकार संगीतकर एस आर डेहरिया, गायिका आकृति मेहरा एव नितेश तिवारी का निर्देशन एस एम डब्ल्यू फिल्म्स प्रोडक्शन का नादान दिल एक अद्भुत संगीतमय यात्रा है, जो प्रेम और विरह की गहराइयों को छूती है। इसे मुंबई के नितेश तिवारी ने निर्देशित किया है और इसका संगीत मध्यप्रदेश के प्रतिभाशाली गीतकार एव संगीतकार एस. आर. डेहरिया ने तैयार किया है। भोपाल की आकृति मेहरा की सुरीली आवाज़ में गाया गया यह गीत शानदार कलाकारों की टीम के साथ प्रस्तुत किया गया है, जिसमें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता अभिनेता वरुण बुद्धदेव, अविनाश मुखर्जी, अभिनेत्री जूही पाल और ऐश्वर्या तिवारी शामिल हैं। ये सभी मिलकर मासूम प्रेम और जुदाई के कड़वे एहसास की एक बेहद प्रभावशाली कहानी बयां करते हैं। संगीत प्रबंधन भोपाल के संगीतज्ञ राजू राव ने शानदार तरीके से किया है द्य कार्यक्रम में मुख्य अतिथि टीवी अभिनेत्री मुस्कान बामने और गायक अल्तमश फ़रीदी की उपस्थिति सराहनीय रही द्य भोपाल की ही प्रतिभाशाली एंकर मोनिका अहेलिया ने शानदार एंकरिंग से मुंबई का दिल जीत लिया

शार्क टैंक इंडिया 4 में क्लैपस्टोर के इनोवेटिव आइडिया ने जीता शार्क्स का दिल

मुंबई, एजेंसी। ऐसे समय में जब बच्चों का बचपन स्क्रीन में सिमटता जा रहा था, तब पुणे के दो युवा उद्यमियों - यश थोम्बरे (22) और वेदांग नालवड़े (21) ने इस सोच को बदलने की ठानी। बच्चों पर ज्यादा स्क्रीन टाइम के असर को देखते हुए, उन्होंने वर्ष 2020 में क्लैपस्टोर टॉयज़ की शुरुआत की। यह ब्रांड 0-6 साल के बच्चों के लिए ऐसे मजेदार और एजुकेशनल खिलौने बनाता है, जो उन्हें असली दुनिया में खेलने और सीखने के लिए प्रेरित करें। बच्चों के विकास को लेकर इनकी यह मेहनत रंग लाई है और क्लैपस्टोर अब तक 50,000 से ज्यादा परिवारों तक पहुँच चुका है। 'शार्क टैंक इंडिया 4' में क्लैपस्टोर के फाउंडर्स ने भारत में पहली बार पेश किए जाने वाले पोर्टेबल बिजी बोर्ड्स का अनोखा कॉन्सेप्ट दिखाया। शुरुआत में शार्क्स जिज्ञासु और थोड़े संशय में नजर आये, लेकिन जब उन्होंने बच्चों के साथ एक प्री-पिच मोमेंट में इन टॉयज़ का अनुभव किया, तो उनका नजरिया बदल गया।

ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने तीसरी तिमाही के नतीजों की घोषणा की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की अग्रणी इंटीग्रेटेड सप्लाई चेन और लॉजिस्टिक्स सेवा मुहैया कराने वाली कंपनी ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (टीसीआई) ने आज, 31 दिसंबर 2024 को समाप्त तीसरी तिमाही के वित्तीय नतीजों की घोषणा की है। इस तिमाही के वित्तीय परिणामों पर टिप्पणी करते हुए, टीसीआई के एमडी श्री विनीत अग्रवाल ने कहा, यह मजबूत प्रदर्शन हमारे सभी उद्यमो में संतुलित वृद्धि के माध्यम से प्राप्त किया गया है। हमारे नवाचारी समधानों और ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण ने बाजार में हमारी स्थिति को मजबूत करते हुए हमारे हित धारकों के लिए मूल्य वर्धन किया है। हमने एफएमसीजी और रिटेल, कृषि++, ऑटोमोटिव, इंजीनियरिंग उपकरण और ईपीआर जैसे क्षेत्रों से वेयर हाउसिंग और तापमान-नियंत्रित, 3 पीएल ग्रीन मल्टी मोडल समाधानों की मांग में वृद्धि देखी है। इसके अतिरिक्त, नवीकरणीय ऊर्जा, रसायन, त्वरित-वाणिज्य और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे उभरते क्षेत्रों के लिए हमारे विविधी कृत प्रस्ताव बाजार में बढ़ते अवसरों के अनुरुप विस्तारित हुए हैं।

वनडे सीरीज से बाहर हुए जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती की टीम इंडिया में धमाकेदार एंट्री

अब वह नागपुर में भारतीय वनडे टीम के साथ जुड़ चुके हैं

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा है। स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इस सीरीज में खेलते नजर नहीं आएंगे। बुमराह को केवल तीसरे वनडे के लिए स्क्वॉड में शामिल किया गया था, लेकिन अब वह पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह ज्ञ20द्ध सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले धाकड़ स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को वनडे टीम में शामिल कर लिया गया है।

बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा कि सिलेक्शन कमेटी ने इंग्लैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए वरुण चक्रवर्ती को भारतीय टीम में शामिल किया है। टी20 सीरीज में वरुण ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 14 विकेट झटके थे, जिसमें राजकोट में लिए गए 5 विकेट भी शामिल थे। उनके इस प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें सीरीज का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया था। अब वह नागपुर में भारतीय वनडे टीम के साथ जुड़ चुके हैं।

वनडे सीरीज का पूरा शेड्यूल

पहला वनडे - 06 फरवरी 2025, नागपुर (विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम) दूसरा वनडे - 09 फरवरी 2025, कटक (बाराबाती स्टेडियम)

तीसरा वनडे - 12 फरवरी 2025, अहमदाबाद (नरेंद्र मोदी स्टेडियम)

टीम इंडिया की अपडेटेड स्क्वॉड-

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती।

इंग्लैंड का स्क्वाड- जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्स, बेन डकेट, जेमी ओवर्टन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, जो रूट, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड।

यूजेनिक्स हेयर साइंसेज - क्रिकेट दिग्गजों और सेलेब्रिटीज़ का सबसे भरोसेमंद हेयर ट्रांसप्लांट ब्रांड

दिल्ली। यूजेनिक्स हेयर साइंसेज ने हेयर रिस्टोरेशन में अपनी स्थिति को मजबूत किया है और यह क्रिकेट के दिग्गजों, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों और बॉलीवुड हस्तियों के एक प्रतिष्ठित सर्कल द्वारा विश्वसनीय है। दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, हैदराबाद और भुवनेश्वर में अत्याधुनिक क्लिनिक के साथ, यूजेनिक्स हेयर ट्रांसप्लांट सॉल्यूशन्स के लिए एक प्रमुख गंतव्य बन चुका है, जो वैज्ञानिक विशेषज्ञता को कला के साथ सहजता से जोड़ता है। दिग्गजों से जुड़ें- क्रिकेट की एलीट का विश्वासपात्र चुनाव - क्रिकेट के आइकॉन मोहम्मद शमी, रवि शास्त्री, मोहम्मद अजहरुद्दीन और माइकल बेवेन ने यूजेनिक्स पर भरोसा जताया है, और उन्होंने इसके उन्नत हेयर ट्रांसप्लांट तकनीकों की ट्रांसफ़ॉर्मेटिव शक्ति का अनुभव किया है।

वार्डविज़र्ड इनोवेशन्स एण्ड मोबिलिटी लि. ने जॉय ई-बाईक के साथ किया फ्लीट ऑपरेशन्स में प्रवेश

वड़ोदरा। ब्राण्ड्स 'जॉय ई-बाईक' और 'जॉय ई-रिक' के तहत इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली अग्रणी निर्माता वार्डविज़र्ड इनोवेशन्स एण्ड मोबिलिटी लिमिटेड ने अपने प्रमुख ब्राण्ड जॉय ई-बाईक के तहत फ्लीट ऑपरेशन्स और लास्ट माईल डिलीवरी मोबिलिटी में कदम रखा है। स्पीडफोर्स ईवी के सहयोग से ऑप्टिमोशन के बैनर तले कंपनी ने आज हैदराबाद में 100 इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के पहले बैच को डिप्लॉय किया। यह साझेदारी डिलीवरी पार्टनर्स और फ्लीट ऑपरेटर्स के लिए स्थायी, तकनीक उन्मुख समाधान उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

नगर निगम को विकसित और आदर्श नगर निगम बनाने के लिए हम कृत संकल्पित हैं: शेषराव यादव

छिंदवाड़ा। भाजपा शुभंकर जिलाध्यक्ष श्री शेषराव यादव का नगर निगम सभापतियों एवं पार्षदों द्वारा जिला भाजपा कार्यालय में अभूतपूर्व स्वागत किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने नगर निगम सभापतियों और पार्षदों को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में छिंदवाड़ा ने अभूतपूर्व विकास किया और आगे भी अनवरत विकास जारी रहेगा। यादव ने कहा कि हम नगर निगम क्षेत्र का समग्र विकास करने का हमने संकल्प लिया हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार छिंदवाड़ा की जनता भाजपा पर भरोसा करती है, हम उस भरोसे को किसी भी स्थित में टूटने नहीं देंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष श्री शेषराव यादव ने कहा कि छिंदवाड़ा नगर निगम को हम विकसित और आदर्श नगर निगम बनाने के हम कृत संकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की विकासवादी सोच और अंत्योदय से संकल्प से छिंदवाड़ा विकास के नित नए आयाम गढ़ रहा है और यह आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

एनएसयूआई ने चलाया आईपीएस कॉलेज में सदयस्ता अभियान

छिंदवाड़ा – जिला एन.एस.यू.आई. अध्यक्ष अजय सिंह ठाकुर ने बताया कि एन.एस.यू.आई. द्वारा संपूर्ण जिले में कमलनाथ, पूर्व मुख्यमंत्री, नकुलनाथ,, पूर्व सांसद, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे के निर्देशानुसार छिंदवाड़ा जिले में सदस्यता अभियान शुरू किया गया है। इस क्रम में आज इंदिरा प्रियदर्शिनी कालेज छिंदवाड़ा में छात्र-छात्राओं के बीच पहुँचकर उनकी समस्याओं को प्रशासन तक पहुँचाने का आश्वासन दिया एवं एन.एस.यू.आई. के साथ जोड़ने और कांग्रेस की रीति, नीति और विचारधारा से छात्र-छात्राओं को अवगत कराते हुये उन्हे एन.एस.यू.आई. की सदस्यता दिलवायी। इस अवसर पर छिंदवाड़ा प्रभारी समर्थ मैद अंशुल शर्मा, सत्येंद्र अहिरवार, नीतेश माहोरे सहित छात्र उपस्थित रहे।

शक्ति डोले बने जिला अध्यक्ष

छिंदवाड़ा। जिला कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग ने किया कार्यकरणी का विस्तार जिसमें कमलनाथ पूर्व मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन, नकुल नाथ पूर्व सांसद छिंदवाड़ा, विश्वनाथ ओकटे जिलाध्यक्ष कांग्रेस कमिटी छिंदवाड़ा, गुरुचरण खरे कार्यवाहक अध्यक्ष मध्यप्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग की अनुशंसा पर छिंदवाड़ा अनुसूचित जाति विभाग में जिला युवा अध्यक्ष शक्ति डोले नियुक्ति पत्र देकर कांग्रेस संगठन को मजबूती प्रदान करने ओर उज्वल भविष्य की कामना की गई। नवनियुक्त पदाधिकारी ने शहरी क्षेत्र से लेकर गांवो के आखरी छोड़ तक व्यक्ति को जोड़ कर संगठन मजबूत एवं भारतीय संविधान की रक्षा करने का संकल्प लिया। नवनियुक्त पदाधिकारी को अनुसूचित जाति पदाधिकारी गण, सदस्यों ने बधाई ओर शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

ज्ञानोदय विद्यापीठ वार्षिकोत्स में विद्यार्थियों ने दी प्रस्तुति

छिंदवाड़ा। नईआबादी स्थित ज्ञानोदय विद्यापीठ का शालेय वार्षिकोत्सव खुशी रजवाड़ा लॉन में घूमधाम से सम्पन्न हुआ जिसमें नर्सरी के नन्हें मुन्ने से लेकर कक्षा आठवी तक विद्यार्थियों ने आकर्षक नृत्य/नाटक/फैंसी ड्रेस के माध्यम से अतिथियों अभिभावकों एवं उपस्थित विशाल जन समुदाय का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अतिथि के रूप में समाजसेवी दयाबेन एवं सस्था के संचालक संजय इन्दुरकर एवं रविकांत चन्देल उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन एवं मॉ सरस्वती की वंदना के साथ किया गया।

सांसद गुरु ग्रंथ साहब के प्रथम प्रकाश पर्व में हुए शामिल

छिन्दवाड़ा। परासिया में गुरु सिंघ सभा गुरुद्वारे के नए भवन में गुरु ग्रंथ साहब के प्रथम प्रकाश पर्व का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार से गुरुद्वारे में महान कीर्तन समागम का प्रारंभ हुआ। जिसमें शामिल ह?ने के लिए सांसद बंटी विवेक साहू परासिया गुरुद्वारे पहुंचे। गुरुद्वारे में वे कीर्तन में शामिल हुए और आशीर्वाद लिया। गुरुद्वारे में उन्होंने माथा टेका। गुरुद्वारे में सांसद श्री साहू ने कीर्तन सुना और गुरु के लंगर में पहुंचे। इस दौरान परासिया नगर पालिका अध्यक्ष विनोद मालवीय, भाजपा के जिला महामंत्री परमजीत सिह विज, मंडल अध्यक्ष बल्लू नागी, एसडीओपी जितेंद्र सिंह जाट और अन्य लोग उपस्थित थे।

पूर्व विधायक मारोतीराव खवसे का निधन

छिंदवाड़ा। पांढुर्ना के पूर्व विधायक मारोतीराव खवसे का निधन हो गया, पूर्व में वे पांढुर्ना विधानसभा से निर्दलीय चुनाव जीते थे, बाद में वे भाजपा में शामिल हो गये और विधायक भी रहे। वे लोकसभा का भी चुनाव लड़े थे। भाजपा नेताओं एवं परिचितों ने शोक व्यक्त करते हुये श्रद्धाजंलि दी।

महादेव मेला के लिए प्रशासन ने जारी की किराया सूची

छिन्दवाड़ा। महाशिवरात्रि पर्व पर आगामी फरवरी माह में महादेव मेला के दृष्टिगत अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी छिंदवाड़ा श्री मनोज तेहनगुरिया द्वारा महादेव मेले के यात्रियों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुये किराया सूची तैयार की गई है जिसके अनुसार उन्होंने बताया कि पांढुर्णा से भूराभगत की दूरी 180 कि.मी. के लिये किराया 225 रूपये, मोरडोंगरी से भूराभगत की दूरी 175 कि.मी. के लिये किराया 219 रूपये, सिवनी से भूराभगत की दूरी 169 कि.मी. के लिये किराया 211 रूपये, राजना से भूराभगत की दूरी 165 कि.मी. के लिये किराया 206 रूपये, पिपला से भूराभगत की दूरी 152 कि.मी. के लिये किराया 190 रूपये, हनुमान मंदिर से भूराभगत की दूरी 146 कि.मी. के लिये किराया 182 रूपये, सौंसर से भूराभगत की दूरी 139 कि.मी. के लिये किराया 174 रूपये, रामाकोना से भूराभगत की दूरी 128 कि.मी. के लिये किराया 160 रूपये, आमला से भूराभगत की दूरी 123 कि.मी. के लिये किराया 154 रूपये, सिल्लेवानी से भूराभगत की दूरी 114 कि.मी. के लिये किराया 142 रूपये, उमरानाला से भूराभगत की दूरी 106 कि.मी. के लिये किराया 132 रूपये, चिखली से भूराभगत की दूरी 99 कि.मी. के लिये किराया 124 रूपये, लिंगा से भूराभगत की दूरी 93 कि.मी. के लिये किराया 116 रूपये, छिंदवाड़ा से भूराभगत की दूरी 83 कि.मी. के लिये किराया 104 रूपये, गांगीवाड़ा से भूराभगत की दूरी 73 कि.मी. के लिये किराया 91 रूपये, परासिया से भूराभगत की दूरी 56 कि.मी. के लिये किराया 70 रूपये, न्यूटन से भूराभगत की दूरी 51 कि.मी. के लिये किराया 64 रूपये, लहगडुआ से भूराभगत की दूरी 41 कि.मी. के लिये किराया 51 रूपये, बिजोरी से भूराभगत की दूरी 32 कि.मी. के लिये किराया 40 रूपये, तामिया से भूराभगत की दूरी 27 कि.मी. के लिये किराया 34 रूपये एवं कुँआबादला से भूराभगत की दूरी 18 कि.मी. के लिये किराया 22 रूपये निर्धारित किया गया है।

महादेव मेला मेले की व्यवस्थाओं के संबंध में कलेक्टर ने ली बैठक

छिन्दवाड़ा। जिले की जनपद पंचायत जुन्नारदेव की ग्राम पंचायत सांगाखेड़ा के ग्राम भूराभगत में महाशिवरात्रि पर्व पर आगामी 17 से 28 फरवरी तक आयोजित होने वाले महादेव मेले के आयोजन के संबंध में आज सोमवार को कलेक्टर श्री शीलेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में बैठक संपन्न हुई। बैठक में मेले में की जाने वाली व्यवस्थाओं को लेकर विभागवार विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा और समीक्षा की गई तथा महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। बैठक में पुलिस अधीक्षक अजय पांडे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अग्रिम कुमार, एडीएम के.सी.बोपचे सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। वहीं, एसडीएम जुन्नारदेव सुश्री कामिनी ठाकुर सहित अन्य अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में भाग लिया।सुरक्षा के व्यापक इंतजाम- मेले में लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने नागदेव, निमोठी, विशाला, सांगाखेड़ा और गोरख घाट जैसे प्रमुख स्थानों पर भारी पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा, मेले के रूट पर तीन स्थानों पर विशेष चेकिंग पॉइंट बनाए जाएंगे, जहां शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर सख्ती बरती जाएगी।

तहसीलदार परासिया ने निकाले लायंस क्लब के अनिल जैन के विरुद्ध कुर्की के आदेश

परासिया। जिले के सक्रिय समाजसेवी रिंकू रितेश चौरसिया ने लायंस आई हॉस्पिटल वार्ड क्रमांक 9 स्टेशन रोड परासिया के द्वारा किए गए निर्धनों के मोतियाबिंद ऑपरेशन के ऊपर शंका जताते हुए देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं प्रदेश के मुखिया डॉ मोहन यादव सहित देश के प्रमुख 14 विभागों में अपनी लिखित शिकायत दर्ज करवाया था। जिस पर लायंस आई हॉस्पिटल द्वारा किए गए 5 वर्षों के आपरेशनो की जांच सरकार द्वारा की गई। जांच में लायंस आई हॉस्पिटल के द्वारा लगाए गए बिल बाउचरो मैं 76 प्रतिशत फर्जी केश पाए गए है। जिसमें शासन के द्वारा लायंस क्लब लायंस एनजीओ संस्था लायंस आई हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर परासिया के पिंकेश पटोरीया, पूरन राजलानी, अनिल जैन, आलोक जैन, कन्हैया राजलानी, हरिशंकर साहू, जगजीत मान के विरुद्ध 10 जनवरी 2025 को परासिया थाने में एफ.आई आर.दर्ज कर वाई गयी जिसमे आई.पी.सी. 420, 409 ,34 के तहत परासिया पुलिस द्वारा मामले कि विवेचना की जा रही है जिस पर परासिया तहसीलदार महोदय ने दिनाक 03 फरवरी को अपने लिखित कुर्की के आदेश पारित किया आदेश में लिखा है जमादार माल चूंकि अनावेदक अनिल जैन पिता गोपाल प्रसाद जैन निवासी परासिया तहसील परासिया जिला छिन्दवाड़ा ने शासकीय योजना की प्राप्त की राशि कुल 2.0406818/- दो करोड चार लाख छ हजार आठ सो अठठारह रुपया सूचना उपरान्त आज दिनांक तक जमा नहीं किया है।

महाविद्यालय मे पुलिस ने बताया वित्तीय धोखाधड़ी से घबराये नहीं

शहडोल। पुलिस ने महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं से कहाँ वित्तीय धोखाधड़ी होने पर घबरायें नहीं और तत्काल 1930 पर अपनी शिकायत पर ही पंजीयन करायें,डेबिट कार्ड का पिन छुपाकर प्रयोग करें,ऑनलाईन ट्रांजेक्शन एवं गूगल पे, फोन पे, इंटरनेट बैंकिंग की मजबूत पासवर्ड से सिक्योर करें यह सभी बाते जयसिंहनगर पुलिस ने महाविद्यालय जयसिंहनगर मे आयोजित सायबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के दौरान कही। दरअसल जयसिंहनगर पुलिस ने सायबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय मे किया गया, कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी जयसिंहनगर ने अध्यनरत छात्र-छात्राओं को वर्तमान समय में चल रहे डिजिटल फ्रॉड के बारे में जानकारी दी, उन्होंने कहा ऑनलाइन लॉटरी केबीसी कैशबैक, नौकरी, लोन, बीमा, शापिंग आफर्स आदि के लिए आने वाले प्रलोभनी से सावधान रहें,ऑनलाइन डेटिंग साइट्स से दूर रहे और वैवाहिक धोखाखड़ी से सावधान रहकर मेट्रोमोनियल साइट्स पर प्रोफाइल में दी गई जानकारियों को विश्वसनीय सूत्रों से सत्यापित कर लें।

निजी कंपनी के हांथों में देने सरकार जानबूझ कर रही क्षेत्र की खदानों को बंद: सोहन वाल्मीक

जुन्नारदेव। कन्हान क्षेत्र को बचाने श्रमिक संगठनों के संयुक्त मोर्चा इंटक, एच एम एस, एटक एवं सीटू ने मंगलवार को महाप्रबंधक कार्यालय डुंगरिया के समक्ष परासिया विधायक सोहन वाल्मीक एवं जुन्नारदेव विधायक सुनील उईके के नेतृत्व एवं काँग्रेस पार्टी के सहयोग से धरना प्रदर्शन कर जंगी प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन में श्रमिक संगठनों एवं काँग्रेस नेताओं ने केंद्र की भाजपा सरकार एवं वेकोलि प्रबंधन के खिलाफ जमकर हमला बोलते हुए अपनी भड़ास निकाली। कन्हान क्षेत्र की शारदा भूमिगत कोयला खदान को छोड़कर वन विभाग सहित कई अन्य तरह की एन ओ सी का अड़ंगा लगाकर वेकोलि प्रबंधन के द्वारा कन्हान क्षेत्र की कई भूमिगत एवं ओपनकास्ट कोयला खदानों को अचानक बंद कर कन्हान क्षेत्र के अस्तिव को ही खत्म किया जा रहा है। प्रबंधन एवं केंद्र सरकार के द्वारा अचानक कोयला खदानों को बंद किये जाने के खिलाफ कोयला क्षेत्र में कार्य करने वाले श्रमिक संगठन इंटक, एच एम एस, एटक, सीटू एवं एस टी एस सी कौंसिल के संयुक्त मोर्चा के द्वारा पिछले काफी दिनों से आंदोलन किया जा रहा है, इसी कड़ी में मंगलवार को संयुक्त मोर्चा ने परासिया विधायक सोहन वाल्मीकि एवं जुन्नारदेव विधायक के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन कर वेकोलि के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक के नाम का एक ज्ञापन पेंच जी एम अनुप हंजूरा को सौपा। ज्ञापन में संयुक्त मोर्चा ने वेकोलि प्रबंधन को चेतावनी दी कि जल्द कन्हान क्षेत्र में जी एम की नियुक्ति कर कन्हान क्षेत्र की बंद कोयला खदानों की जल्द प्रारम्भ किया जाए अन्यथा काँग्रेस पार्टी एवं जन सहयोग से क्षेत्र में बड़ा आंदोलन किया जाएगा।धरना प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुए जुन्नारदेव विधायक सुनील उईके ने कहा कि क्षेत्र में जब भी कोई संकट आएगा में जनता जनार्दन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सड़क पर उतरकर संघर्ष करूंगा। हम अपने क्षेत्र को बचाने के लिए रोड से लेकर कोर्ट तक लड़ाई को लड़ेंगे। धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए परासिया विधायक एवं पेंच कन्हान इंटक के अध्यक्ष सोहन वाल्मीक ने कहा कि केंद्र की सरकार एवं वेकोलि प्रबंधन कोयला खदानों को निजी हाँथों में सौपने के लिए षड्यंत्र कर हमारे क्षेत्र की कोयला खदानों को बंद कर रही है। अब ये सरकार साधारण आंदोलन से जागने वाली नही है, हमे सड़क पर आकर इस लड़ाई को लड़ना होगा। क्षेत्र के एक एक नागरिक को साथ मे लेकर इस लड़ाई को हम लड़ेंगे। कार्यक्रम को इंटक, एच एम एस, एटक, सीटू, एस सी एस टी काउंसिल सहित काँग्रेस नेताओं ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में संयुंक्त मोर्चा एवं काँग्रेस पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी एवं कोयला श्रमिक उपस्थित थे।

सेडी के प्रशिक्षणार्थियों को साइबर सुरक्षा के लिए किया गया जागरूक

अमरवाड़ा। नगर की रोजगारोन्मुखी संस्था अंबुजा फाउंडेशन कौशल एवं उद्यमिता विकास संस्थान सेडी में मध्य प्रदेश पुलिस का साइबर अपराधों के प्रति जन जागरूकता अभियान 1 फरवरी से 11 फरवरी तक साइबर सुरक्षा अभियान के तहत कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें अमरवाड़ा नगर निरीक्षक राजेन्द्र धुर्वे, विजेंद्र मार्को, राजनीश सोनी, तेकाम उपस्थित रहे। जागरूकता कार्यक्रम में अमरवाड़ा नगर निरीक्षक राजेन्द्र धुर्वे ने विद्यार्थियों को प्रेजेंटेशन एवं विडियो के माध्यम से साइबर सुरक्षा से संबंधित फैक फोन काल, फेसबुक आईडी , इंस्टाग्राम आईडी,ए आई व बेटीयो को साइबर अपराध से बचने के उपाय की जानकारी दी।नगर निरीक्षक श्री धुर्वे ने विद्यार्थियों के द्वारा पूछे गए साइबर क्राइम से संबंधित सवालो का के उत्तर दिए। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन संस्था के प्लेसमेंट ऑफिसर राजकमल जैन ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में संस्था के स्टाफ सचिन यादव हिसुरम धुर्वे सत्यम तिवारी प्रदीप साहू हरीश पाठे सुरेश यादव सहित सैकड़ो प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

महिला बैरिक का उद्घाटन, जिम व बोट के उपकरणा देखे

छिन्दवाड़ा। जिला कमांडेंट होमगार्ड कार्यालय में आज नवनिर्मित महिला बैरेक, ओपन जिम तथा बोट एवं आपदा प्रबंधन उपकरणों के भंडारण कार्य का लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अरविंद कुमार, महानिदेशक होमगार्ड, नागरिक सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन, मध्यप्रदेश थे। उनके करकमलों द्वारा इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक अजय पांडे, कमांडेंट 8वीं वाहिनी विसबल श्रीमती निवेदिता गुप्ता, डिवीजनल कमांडेंट श्री आशीष खरे, श्री एस.आर. आजमी तथा समस्त कार्यालयीन स्टाफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि के स्वागत के साथ हुई। इसके बाद नवनिर्मित महिला बैरेक का उद्घाटन किया गया। यह बैरेक महिला होमगार्ड जवानों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है।इसी क्रम में ओपन जिम का भी लोकार्पण किया गया, जिसका उद्देश्य जवानों की शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देना है। जिम में अत्याधुनिक उपकरण लगाए गए हैं जिससे जवानों को अपने स्वास्थ्य और फिटनेस का बेहतर ध्यान रखने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही बोट और आपदा प्रबंधन के उपकरणों के भंडारण के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए भवन का शिलान्यास भी किया गया जिससे आपदा प्रबंधन कार्यों में तेजी और कुशलता लाई जा सकेगी।कार्यक्रम के दौरान महानिदेशक होमगार्ड श्री कुमार द्वारा कलेक्टर श्री सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री पांडे, कमांडेंट 8वीं वाहिनी विसबल श्रीमती गुप्ता के साथ पौधारोपण भी किया गया, जिसमें सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके पश्चात अरविंद कुमार द्वारा औपचारिक निरीक्षण किया गया। उन्होंने कार्यालय के विभिन्न विभागों का जायजा लिया और जवानों के साथ सैनिक सम्मेलन आयोजित किया। सैनिक सम्मेलन में उन्होंने जवानों की समस्याओं को सुना और उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

कमलनाथ की विकास निधि से होगा पार्कों का उन्नयन: कांग्रेस

लालबहादुर शास्त्री व इंदिरा प्रियदर्शनी पार्क के लिए दी राशि नपानि ने नहीं दिया उजड़े व खंडहर होते पार्कों पर ध्यान

छिन्दवाड़ा। जिले के विकास, चाक चौबंध व्यवस्था, सुचारू व आम लोगों की सुनवाई हेतु प्रशासनिक अमले की भूमिका पर मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री माननीय कमलनाथ जी व जिले के पूर्व सांसद माननीय नकुलनाथ जी का हमेशा ही विशेष ध्यान रहा है। नगर के सौंदर्यीकरण व आंतरिक सड़कों के निर्माण हेतु नेताद्वय ने अपने कार्यकाल में भरपूर बजट दिया जिसके फलस्वरूप आज नगर में विभिन्न स्थानों पर सेल्फी पाइंट से लेकर सुव्यवस्थित पार्क बनाए गए। वर्तमान निगम सरकार उनका रखरखाव भी नहीं कर पा रही।नगर के पार्कों की दुर्दशा पर क्षेत्र की जागरूक जनता ने माननीय कमलनाथ जी का ध्यानाकर्षण कराया था जिसके उपरांत उन्होंने पार्कों के उन्नयन हेतु विकास निधि जारी की। विधायक कमलनाथ जी की विकास निधि से नगर के दो प्रमुख पार्कों का उन्नयन जल्द ही प्रारंभ होगा। विदित हो कि गत माह शहर के उजाड़ होते प्रमुख पार्कों के उन्नयन व उनमें लगी सामग्री के सुधार हेतु कांग्रेस के पार्षद दल ने एक ज्ञापन प्रस्तुत कर नगर पालिका निगम के जिम्मेदार अधिकारी से आग्रह किया कि वे अविलम्ब पार्कों में सुधार कार्य प्रारंभ कराएं किन्तु कुम्भकरणी नींद में सोई निगम सरकार आज तक नहीं जागी। पार्कों में सुधार कार्य हेतु कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए। परिणामस्वरूप दिन प्रतिदिन शहर के मध्य में स्थित पार्क की सामग्रियां टूट रही।

कमलनाथ की विधायक निधि से होगा उन्नयन

शहर के लालबहादुर शास्त्री पार्क (सिविल लाइन) की दुर्दशा के संबंध में क्षेत्र के लोगों ने माननीय कमलनाथ जी का ध्यानाकर्षण कराया था जिसके फलस्वरूप कमलनाथ जी ने शहर के दो पार्कों के उन्नयन हेतु 3.50 लाख-3.50 लाख रुपयों की राशि अपनी विकास निधि स्वीकृत की। माननीय कमलनाथ जी द्वारा प्रदत्त राशि से लालबहादुर शास्त्री एवं इंदिरा प्रियदर्शनी पार्क का उन्नयन होगा। लालबहादुर शास्त्री पार्क हेतु 3.50 लाख रुपए एवं इंदिरा प्रियदर्शनी पार्क हेतु 3.50 लाख रुपए की राशि प्रदान की गई है जिससे अतिशीघ्र दोनों ही पार्कों के उन्नयन का कार्य प्रारंभ होगा।

अंबेडकर वाटिका चंदनगांव में हो रहे अवैध निर्माण पर रोक लगाने एवं अन्य मांगो को लेकर सौंपा ज्ञापन

छिंदवाड़ा। बहुजन समाज पाटी छिंदवाड़ा द्वारा चंदनगांव वार्ड नंबर 34 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित डॉ. आंबेडकर वाटिका में हो रहे नगर पालिक निगम के अवैध कार्य को रोकने एवं अन्य 4 सूत्रीय मांगो चंदनगांव स्थित डॉ. बाबा साहब अंबेडकर वाचनालय एवं डॉ. बाबा साहब अंबेडकर वाटिका की भूमि में किये गये शिलान्यास की संपूर्ण खुली भूमि का अधिकृत पट्टा सुजाता महिला संघ को सौंपे जाने, छिंदवाड़ा वार्ड क्र. 13 में स्थित डॉ. बाबा साहब अंबेडकर सामुदायिक भवन में वर्तमान में टी.वी. हास्पिटल संचालित हो रहा है, उस हास्पिटल को वहॉ से हटाकर डॉ. बाबा साहब अंबेडकर सामुदायिक भवन को यथावत रखकर बहुजन समाज को सौंपने, छिंदवाड़ा में स्थित डॉ. बाबा साहब अंबेडकर तिराहे पर बाबा साहब एवं शहर के अन्य सभी महापुरूषों की प्रतिमा के आसपास किसी भी राजनेताओं के या समाज के और नगर निगम द्वारा लगाये जाने वाले पोस्टर, बैनर, होर्डिंग लगाने पर प्रतिबंधित करने, पोला ग्राउण्ड स्थित आदिवासी समुदाय के पेन्टाना खण्डेरा स्थल को फेंसिंग से सुरक्षित करने आदि मांगो को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष त्रिविक्रम हिरपापी, ज्ञानेश्वर गजभिये प्रदेश सचिव, अब्दुल रब खान, डॉ. सी.एम. गेडाम सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नर्मदा जयंती पर देववृक्ष स्थापना....

नवांकुर संस्था सिद्धि विनायक नगर विकास समिति ने किया पौधरोपण

छिंदवाड़ा। जन अभियान परिषद छिंदवाड़ा के जिला समन्वयक अखलेश जैन के मार्गदर्शन में,नर्मदा एवं प्रकृति उपासक पं रविकांत शास्त्री जी की प्रेरणा से नवांकुर संस्था सिद्धि विनायक नगर विकास समिति छिंदवाड़ा द्वारा आज ग्राम पंचायत कोटलबर्री के आयुष्मान आरोग्य मंदिर के प्रांगण में नर्मदा जयंती पर देव वृक्ष की स्थापना की गई जिसमें फलदार, छायादार पेड़ आम, जाम,जामुन, आंवला,अशोक तथा देव वृक्ष की पूजा कर लगाए गए जिसमें राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक,एवं पर्यावरण विद श्री विनोद तिवारी द्वारा ग्रामीण जन को नर्मदा जयंती को शुभकामनाएं दी गई और वृक्षारोपण का महत्व बताया गया जिसमें श्री विनोद तिवारी द्वारा पेड़ से होने वाले फायदे जैसे आज जब फरवरी माह के प्रथम सप्ताह में ही गर्मी चरम पर होती नजर आ रही है इस भीषण धूप से हमें सिर्फ और सिर्फ पेड़ पौधे ही बचा सकते हैं जितना अधिक पेड़ लगाए जाएंगे हमारे क्षेत्र में उतनी कम गर्मी लगेगी परन्तु आज हम विकास के नाम पर दिन व दिन पेड़ो की कटाई करते जा रहे हैं, खेती के लिए भी हम खेत में लगे पेड़ को काट रहे हैं जिससे निरंतर प्रकृति का संतुलन बिगड़ रहा है और चारों ऋतुओं में असंतुलन हो गया है इसीलिए हम सब को अपने जीवन में पेड़ लगाने की आवश्यकता है परामर्श दाता डॉ लता नागले द्वारा ग्रामीण जन को पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया और कहा कि हमें हमारे जीवन के शुभावसर पर एक पेड़ अवश्य लगाएं।साथ ही डॉ एन के सोमकुंवर द्वारा ग्राम के सरपंच सचिव से पेड़ के संरक्षण और बचाव के लिए निवेदन किया। सिद्धि विनायक नगर विकास समिति के अध्यक्ष डॉ महेश बंदेवार ने सभी ग्रामवासियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बहुद्देशीय शैक्षणिक संस्था के सदस्य ,ग्राम पंचायत कोटलबर्री के सरपंच श्याम चौहान,आरोग्य मंदिर कोटलबर्री की सी एच ओ साधना सोमकुंवर , ए एन एम सरिता यादव,आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ,सहायिका ,आशा कार्यकर्ता अनारवती तथा ग्रामवासी उपस्थित रहे।

मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना

छिंदवाड़ा। भोपाल द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान से प्राप्त जानकारी के अनुसार अगले 120 घंटो के दौरान (05 फरवरी से 09 फरवरी 2025) हल्के से मध्यम बादल रहने एवं मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान 30-32 डिग्री सेन्टीग्रेट एवं न्यूनतम तापमान 14-16 डिग्री. सेन्टीग्रेट के मध्य रहने की संभावना है। अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता 85-92 प्रतिशत एवं न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता 43-47 प्रतिशत रहने की संभावना है। आने वाले दिनों में हवा पूर्व, उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पूर्व दिशाओ में बहने एवं 02-10 कि. मी. प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है।

अवैध कोयला खनन परिवहन करते फिर से ट्रक जब्त

शहडोल। कोयले की काली कमाई ने कोयलांचल में सैकड़ो अवैध खनन दावेदारों को देखा है कुछ वैध की आड़ में अवैध की शिकायतें तो कहीं खुलेआम अवैध का कारोबार लगातार अखबारों में अपना स्थान बनाए रखा है सरकार बदल जाती है प्रशासन बदल जाता है लेकिन नहीं बदलता है तो कोयले का काला कारोबार और उसको करने वाले सिंडिकेट। पिछले महीने से लगातार सुर्खियों में बना बकही खदान और उसे अवैध कोयले का उत्खनन परिवहन का मामला रुकने का नाम नहीं ले रहा है अभी रविवार के दिन एक गाड़ी पत्रकारों की खबर पर पुलिस द्वारा पकड़ी गयी थी,आज फिर एक बार एक ट्रक को बुढ़ार पुलिस ने जब्त किया है, पुलिस ने बताया अनूपपुर और शहडोल की सीमा पर स्थित ग्राम बकही से कोयला खनन कर बाहर परिवहन कराया जा रहा जिसको जब्त कर कार्यवाही की गयी है 7 दरअसल बकही से अवैध कोयला खनन कर परिवहन करते एक ट्रक को बुढ़ार पुलिस ने जब्त कर दूसरी बड़ी कार्यवाही की है, पुलिस के अनुसार हरिओम धर्म काटा के पास एक कोयले से लदे ट्रक क्रमांक एमपी 18 जीए 2883 की जानकारी मिलने पर पुलिस ने दबिश देकर ट्रक चालक से पूछताछ की परंतु कोई वैध दस्तावेज चालक द्वारा प्रस्तुत नहीं किये गये, कड़ाई से पूछताछ करने पर पता चला की कोयला बकही से अवैध खनन कर बाहर भेजा जा रहा था, कोयले की मात्रा लगभग 26 टन बताई जा रही थी, मामले पर बुढ़ार थाना ने ट्रक को जब्त कर ट्रक मालिक, चालक सहित जेसीबी मशीन से कोयले का खनन करने वाले जेसीबी चालक के विरुद्ध खनिज अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत कार्यवाही की है गौर तलब है शहडोल अनूपपुर के बॉर्डर में स्थित ग्राम बकही मे कोयले का अवैध खनन जोरो पर है, कोल माफियाओ द्वारा बिना किसी भय के गुफानुमा गड्ढे कर कोयले का अवैध खनन करते हुए उसे दूर-दूर तक परिवहन करवाया जा रहा है,जनचर्चा की माने तो इस अवैध उत्तखन्न मे अवैध खनन परिवहन रोकने के जिम्मेदार प्रशासनिक अमले की सहभागिता की बात कही जा रही है। बहरहाल वर्तमान पुलिस अधीक्षक के सख्त निर्देश पर कुछ जमीनी कार्रवाई होती दिख रही है।

राजधानी आकर किसानों ने भरी हुंकार

अन्नदाता अधिकार रैली व वल्लभ भवन का घेराव करने प्रदेश से पहुंचे हजारों किसान

- **प्रशासन को खरी खोटी सुना, सरकार के समाने रखी अपनी मांगे**

भोपाल। ''सस्ती बिजली, खाद और पानी, मांग रही है आज किसान'' और ''हम अपना अधिकार मांगते नहीं किसी से भीख मांगते'' के नारों का उद्घोश करते प्रदेश के हजारों किसान राजधानी भोपाल पंहुच गये हैं। भारतीय किसान संघ मध्यभारत प्रांत के नेतृत्व में शिवाजी नगर स्थित किसान संघ के प्रदेश कार्यालय के सामने किसानों का प्रदर्षन जारी है। मध्यभारत प्रांत के 16 जिलों से आये किसान अपनी समस्याओं व मांगों को मंच से सरकार व प्रशासन के समक्ष रख रहे हैं। किसानों ने गुस्सा जाहिर करते हुये कहा कि जिला स्तर पर प्रषासनिक व्यवस्था में व्याप्त भृष्टाचार से किसान परेशान हो गया है। समस्याओं व मांगों के अनेक ज्ञापन देने के बावजूद भी कहीं कोई सुनवाई नहीं है। इसलिये मजबूरीवश किसानों को सरकार व प्रशासन से सीधा संवाद करने राजधानी भोपाल की सड़कों पर आकर अन्नदाता अधिकार रैली व वल्लभ भवन का घेराव कर प्रदर्षन करना पड़ रहा है।

प्रांत अध्यक्ष सर्वज्ञ दीवान ने बताया कि किसान पटवारी से लेकर जिला प्रशासन तक की प्रशासनिक कार्यप्रणाली से संतुष्ट नहीं है। इसलिये किसान संघ के नेतृत्व में भोपाल आकर किसान अपनी दस सूत्रीय मांगे व जिलों की अन्य समस्याओं के समाधान की मांग सरकार के समक्ष रख रहा है। किसानों के इस प्रदर्षन में प्रदेशभर के किसानों के साथ अखिल भारतीय कार्यकारी अध्यक्ष रामभरोस वासोतिया, अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राघवेंद्र सिंह पटैल, क्षेत्र संगठन मंत्री महेश चौधरी, प्रांत संगठन मंत्री मनीष शर्मा, प्रदेश मंत्री जगराम सिंह, प्रांत महामंत्री शिवनंदन सिंह, कैलाश ठाकुर, पवन शर्मा, प्रचार प्रमुख राहुल धूत के साथ प्रदेश, प्रांत व जिलों के किसान संघ पदाधिकारी शामिल हैं।

हजारों गावों से आये किसान- मध्यभारत प्रांत के हजारों गावों से रात से ही किसानों का आना शुरू हो गया था। समाचार लिखे जाने तक भरी संख्या में किसानों का आना जारी था। दूर दूर गांवों से किसान अपने साधन वाहन से राजधानी पहुंच रहे हैं।

ये हैं प्रदर्शन न कर रहे किसानों की प्रमुख मांगे

1. फौती नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, बटांकन, ऑनलाइन रिकॉर्ड व नक्शा सुधारा जाए।
2. हॉर्स पावर क्षमता वृद्धि वापिस ली जाये, जले ट्रांसफार्मर व लाइनें समय सीमा में बदली जाए।
3. डीएपी, यूरिया खाद सहकारिता के माध्यम से नगद वितरण समय पर किया जाए।
4. सभी मंडियों में फ्लेट कांटो से तुलाई अनिवार्य की जाए। मंडी परिसर में ही भुगतान हो।
5. नकली दूध बनाने वालो पर सख्त कार्रवाई हो, गौ अभयारण्य खोले जाएं।
6. प्रस्तावित व स्वीकृत नहरों के कार्य शीघ्र पूर्ण किए जाएं।
7. सभी फसलों को एमएसपी से नीचे नहीं खरीदा जाए।
8. किसानों के झूठे प्रकरण वापिस हों।
9. पूसा बासमती धान को जीआई टैग दिलाया जाए।
10. धान 3100 रुपए व गेहूं 2700 रुपए प्रति क्विंटल खरीदा जाए।

मप्र में 2 दिन से बारिश, अब पारा भी लुढ़केगा: भोपाल, इंदौर-उज्जैन में आज से तापमान में आएगी गिरावट, ग्वालियर-चंबल में बादल रहेंगे

भोपाल। मध्यप्रदेश में 2 दिन से बारिश वाला मौसम है। नीमच में बूंदाबांदी के बाद मंगलवार को ग्वालियर-चंबल में आंधी और हल्की बारिश का दौर रहा। बाकी जिलों में मौसम साफ रहा और धूप खिली रही। मौसम विभाग के मुताबिक, बुधवार से दिन-रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट हो सकती है। भोपाल, इंदौर-उज्जैन में पारा लुढ़केगा। वहीं, ग्वालियर और चंबल संभाग के जिलों में बादल छाए रह सकते हैं। बाकी जिलों में भी तापमान में गिरावट देखने को मिल सकती है। इससे पहले मंगलवार को ग्वालियर, मंदसौर, नीमच, भिंड, दतिया, मुरैना और श्योपुर में कहीं-कहीं गरज-चमक की स्थिति बनी रही। इससे दिन के तापमान में भी गिरावट देखने को मिली। हालांकि, मंडला में तापमान 34.7 डिग्री, सिवनी में 33.4 डिग्री, जबलपुर में 33.3 डिग्री, दमोह में 33 डिग्री रहा। भोपाल में 31.7 डिग्री, इंदौर में 30.6 डिग्री, ग्वालियर में 26.1 डिग्री और उज्जैन में पारा 30 डिग्री पर आ गया।

12-13 फरवरी को बारिश के असर

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, 8 फरवरी को वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव होने की संभावना है। इस वजह से प्रदेश में मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया, प्रदेश के कुछ हिस्से में पहले सप्ताह में बादल छाए रहेंगे। 12, 13 और 14 फरवरी को बारिश होने का अनुमान है। 20 फरवरी के बाद ठंड का असर और कम होगा। जिससे दिन-रात दोनों ही तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। अभी दो साइक्लोनिक सकुर्लेशन एक्टिव है।

ग्वालियर फिल्म फेस्टिवल का आयोजन 8-9 मार्च को

भोपाल में अभिनेता संजय मेहता और फ़िल्म समीक्षक विनोद नागर ने किया फेस्टिवल के पोस्टर का विमोचन

भोपाल। सतपुड़ा चलचित्र समिति और विश्व संवाद केंद्र, मध्यप्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में 8-9 मार्च को ग्वालियर में %ग्वालियर फ़िल्म फेस्टिवल% का आयोजन किया जा रहा है। फेस्टिवल के पोस्टर का विमोचन 5 फरवरी को भोपाल में किया गया। इस अवसर पर प्रख्यात अभिनेता संजय मेहता, फ़िल्म समीक्षक विनोद नागर और सतपुड़ा चल चित्र समिति के अध्यक्ष लाजपत आहूजा उपस्थित रहे।

इस अवसर पर श्री आहूजा ने कहा कि यह फ़िल्म फेस्टिवल मध्यप्रदेश का है। इसमें प्रदेश के फिल्मकारों को अवसर मिलेगा। उनकी श्रेष्ठ फिल्मों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि फेस्टिवल में फ़िल्म विधा से जुड़े विशेषज्ञ फ़िल्म निर्माण में रुचि रखने वालों से संवाद भी करेंगे। इसके साथ ही अभिनेता संजय मेहता ने कहा कि फिल्मों का विषय समाज को प्रेरणा देनेवाला होना चाहिए। अक्सर हम ऐसे विषयों का चयन कर लेते हैं, जिनका न तो समाज से सरोकार होता है और न ही वे समाज का प्रबोधन करती हैं। विश्वास है कि सतपुड़ा चल चित्र समिति और यह फ़िल्म फेस्टिवल अच्छी फिल्मों के निर्माण के लिए युवाओं को प्रोत्साहित करेंगे। वहीं, फ़िल्म समीक्षक विनोद नागर ने कहा कि स्थानीयता हमें आकर्षित करती हैं। अपने शहर की लोकेशन फिल्मों में देखकर मन आनंदित होता है। उन्होंने कहा कि फ़िल्म फेस्टिवल में प्रदेश के स्थानीय युवाओं को पुरस्कृत किया जाना चाहिए, जो सीमित संसाधनों में फ़िल्म निर्माण कर रहे हैं।

इन विषयों पर फिल्में आमंत्रित हैं

ग्वालियर फ़िल्म फेस्टिवल में चार कैटेगरी में फिल्में आमंत्रित हैं- शॉर्ट फिल्म, डॉक्यूमेंट्री, कैंपस फिल्म एवं रील्स कैटेगरी। फेस्टिवल के विषय महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण, जनजाति समाज, ग्रामीण विकास, सामाजिक सद्भावना, भारतीय संस्कृति, हमारी धरोहर एवं लोकल सक्सेस स्टोरी पर आधारित है। फिल्म की अवधि भी निर्धारित की गई है, जिसमें शॉर्ट फिल्म 15 मिनट, डॉक्यूमेंट्री अधिकतम 25 मिनट और रील्स के लिए 1 मिनट की हो।

मिलेंगे एक लाख के पुरस्कार

फ़िल्म फेस्टिवल में विभिन्न श्रेणी में पुरस्कृत श्रेष्ठ फिल्मों को कुल एक लाख रुपये के पुरस्कार प्रदान किये जायेंगे। फिल्मों की प्रविष्टियां भेजने की अंतिम तिथि 28 फरवरी 2025 है। उल्लेखनीय है कि सतपुड़ा चलचित्र समिति भारतीय चित्र साधना से संबद्ध है। भारतीय चित्र साधना 2 वर्षों में एक बार राष्ट्रीय स्तर का फिल्म फेस्टिवल आयोजित करता है। इसी तारतम्य में प्रान्त स्तरीय फ़िल्म फेस्टिवल का आयोजन इस वर्ष ग्वालियर में किया जा रहा है।